Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 266
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरुवार, 02 अक्टूबर, 2025

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 भविष्य में सड़कें बनाते समय क्षेत्र में विकास का ... 4 हर तरफ जाम, हर सांस में धुआं, क्या ... 7 सुमित अंतिल ने रचा इतिहास, भाला फेंक...

संक्षिप्त न्यूज

स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्रोत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष, देशव्यापी जश्न को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोहों को मंजूरी दे दी। कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। ये समारोह पूरे देश में आयोजित किए जाएँगे, खासकर हमारे युवाओं और छात्रों के लिए, जिनमें से कई ऐतिहासिक घटनाओं से अच्छी तरह परिचित नहीं हो सकते हैं।' बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा संस्कृत में रचित वंदे मातरम गीत स्वतंत्रता संग्राम में लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत था। 'इंडिया डॉट जीओवी' पोर्टल के अनुसार, वंदे मातरम् की रचना चटर्जी ने संस्कृत में की थी। इसे राष्ट्रगान, 'जन-गण-मन' के बराबर दर्जा प्राप्त है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन को भी मंज़ूरी दी - यह एक ऐतिहासिक पहल है जिसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और दलहन में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भरता) हासिल करना है। यह मिशन 2025-26 से 2030-31 तक छह वर्ष की अवधि में 11,440 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ कार्यान्वित किया जाएगा। भारत की फसल प्रणालियों और आहार में दलहनों का विशेष महत्व है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता देश है। बढ़ती आय और जीवन स्तर के साथ, दालों की खपत में भी वृद्धि हुई है। हालाँकि, घरेलू उत्पादन मांग के अनुरूप नहीं रहा है, जिसके कारण दालों के आयात में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मोदी सरकार का किसानों को बड़ा तोहफा, 2026-27 के लिए रबी एमएसपी में इजाफा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि कुसुम के लिए 600 रुपये प्रति क्विंटल और मसूर के लिए 300 रुपये प्रति क्विंटल की घोषणा की गई है।

रेपसीड और सरसों, चना, जौ और गेहूं के लिए क्रमशः 250 रुपये प्रति क्विंटल, 225 रुपये प्रति क्विंटल, 170 रुपये प्रति क्विंटल और 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। लागत से तात्पर्य उस लागत से है जिसमें सभी भुगतान की गई लागतें शामिल हैं जैसे कि किराये पर लिए गए मानव श्रम, बैल श्रम/मशीन श्रम, पट्टे पर ली गई भूमि के लिए भुगतान किया गया किराया, बीज, उर्वरक, खाद जैसे

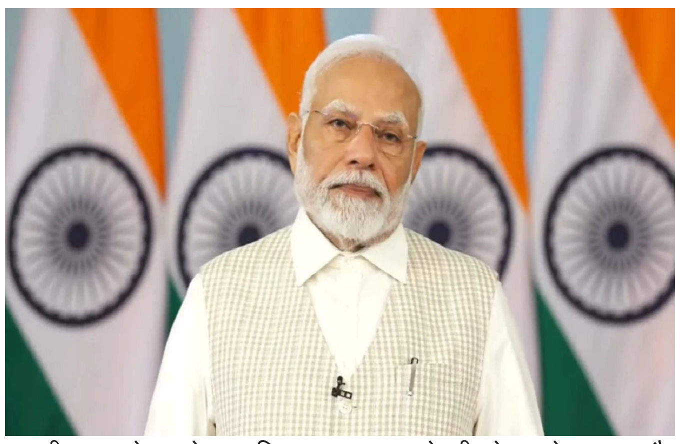

सामग्री इनपुट के उपयोग पर किए गए व्यय, सिंचाई शुल्क, औजारों और कृषि भवनों पर मूल्यह्रास, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, पंप सेटों के संचालन के लिए डीजल/बिजली आदि, विविध व्यय और पारिवारिक श्रम का अनुमानित मूल्य।

विपणन सत्र 2026-27 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि, केंद्रीय बजट 2018-19 की अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की घोषणा के अनुरूप है। अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर अपेक्षित मार्जिन गेहूँ के लिए 109 प्रतिशत, रेपसीड और सरसों के लिए 93 प्रतिशत, मसूर के लिए 89 प्रतिशत, चने के लिए 59 प्रतिशत, जौ के लिए 58 प्रतिशत और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है। रबी फसलों के एमएसपी में यह वृद्धि किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करेगी और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करेगी।

जनसांख्यिकीय बदलाव से लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव पर संकटः पीएम मोदी की बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत की विविधता में एकता घुसपैठियों के कारण खतरे में है, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की अपनी घोषणा को भी याद किया। राष्ट्रीय राजधानी में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विविधता में एकता हमेशा से भारत की आत्मा रही है। अगर यह ताकत टूट गई, तो भारत कमजोर हो जाएगा... सामाजिक सद्भाव घुसपैठियों के कारण एक बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है।

मोदी ने कहा कि यह प्रश्न हमारी आंतरिक सुरक्षा और भविष्य से संबंधित है। इसीलिए मैंने लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा की। हमें सतर्क रहने और इस चुनौती से लड़ने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 100 साल पहले विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) की स्थापना कोई संयोग नहीं था। उन्होंने इस त्योहार के बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की जीत के प्रतीकवाद पर प्रकाश डाला।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल विजयादशमी है, यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत, अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है... 100 साल पहले इसी महान दिन एक संगठन के रूप में आरएसएस की स्थापना कोई संयोग नहीं था। उन्होंने आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसे महान अवसर का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। आज के इस अवसर पर, मैं राष्ट्रसेवा में समर्पित लाखों स्वयंसेवकों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ। संघ के संस्थापक, हमारे पूज्य आदर्श, परम पूज्य डॉ. हेडगेवार जी के चरणों में मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

उत्तराखंड के सुदूर इलाकों को मिली 'उड़ान' की सौगात, सीएम धामी ने किया उद्घाटन

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास से क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के अंतर्गत पिथौरागढ़-मुनस्यारी-पिथौरागढ़ और हल्द्वानी-अल्मोड़ा-हल्द्वानी मार्गों पर हवाई

सेवाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, सीएम धामी ने कहा कि इन हवाई सेवाओं के शुरू होने से राज्य के दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए परिवहन में काफी सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्मोड़ा और मुनस्यारी उत्तराखंड के प्राचीन शहरों में से हैं और इनका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है।

बयान में कहा गया है कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक मंदिरों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध ये शहर देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। हेलीकॉप्टर सेवाओं के शुरू होने से अब पर्यटक अल्मोड़ा और मुनस्यारी तक और भी आसानी से पहुँच सकेंगे। बयान में बताया गया है कि हल्द्वानी और अल्मोड़ा के बीच यात्रा का समय 3-4 घंटे से घटकर कुछ ही मिनट रह जाएगा। इन सेवाओं से दोनों क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलने और आर्थिक विकास में तेज़ी आने की उम्मीद है।

सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूरदर्शी उड़ान योजना शुरू की, जिसने पूरे देश में हवाई संपर्क को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

सिद्धारमैया ने फिर किया दावा- पूरे पांच साल रहूंगा सीएम, 'नवंबर क्रांति' की अटकलों को बताया निराधार

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि वह पूरा पांच साल का कार्यकाल मुख्यमंत्री के रूप में पूरा करेंगे। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस के कुछ नेता, जैसे कुनिगल विधायक एचडी रंगनाथ और पूर्व मंड्या सांसद एलआर शिवरामेगौड़ा, कह रहे थे कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने पत्रकारों से कहा, 'मैं पूरे पांच साल मुख्यमंत्री रहूंगा।' उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस में कई लोग 'नवंबर क्रांति' की बातें कर रहे हैं, क्योंकि उनका पहला दो और आधा साल का कार्यकाल जल्द ही खत्म होने वाला है। कांग्रेस के सत्ता में आने के समय मई 2023 में, यह अटकलें थीं कि एक समझौता (पैक्ट) हो सकता है, जिसमें सिद्धारमैया पहले आधे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने और शिवकुमार अगले दो और आधे साल के लिए। अब उस पहले चरण का समय नवंबर में

पूरा होने वाला है।

सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी के आदेश का पालन करेंगे। उन्होंने कहा, 'जो भी उच्च कमान (हाई कमांड) निर्णय लेगी, हमें उसी के अनुसार चलना होगा।' विपक्षी बीजेपी और जेडीएस की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उनके पूरे पांच साल मुख्यमंत्री रहने में कोई रोक नहीं पाएगा।

सिद्धारमैया ने याद दिलाया कि लोग पहले कह रहे थे कि वह दूसरी बार मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, लेकिन वह फिर से मुख्यमंत्री बने। उन्होंने अपने 2013-2018 के पहले कार्यकाल के समय की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि तब भी लोग कह रहे थे कि वह पद नहीं संभाल पाएंगे, क्योंकि एक कौआ उनकी कार पर बैठ गया था। लेकिन उन्होंने न केवल बजट पेश किया, बल्कि पूरा पांच साल का कार्यकाल भी पूरा किया।

अब उन्होंने कहा कि उन्होंने दो और आधा साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है और आने वाले दो और आधे साल तक भी मुख्यमंत्री रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह दशहरा महोत्सव के दौरान पुष्पार्चना करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'क्यों नहीं? मैं अगले साल भी यह अनुष्ठान करूंगा।' मैसूर में दशहरा उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री की तरफ से पुष्पार्चना करने की परंपरा है।

तुगलकी फरमान के आरोपों पर शिवकुमार का पलटवार, बेंगलुरु में नहीं लगेगा कंजेशन टैक्स

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन खबरों का स्पष्ट रूप से खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि राज्य सरकार बेंगलुरु में 'कंजेशन टैक्स' लगाने पर विचार कर रही है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शहर की बिगड़ती यातायात स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयासों के तहत इस तरह के टैक्स पर विचार किया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए, बेंगलुरु विकास विभाग का भी प्रभार संभाल रहे शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीड़भाड़ कर लगाने का कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है और इसे गलत जानकारी करार दिया।

उन्होंने बताया कि कुछ उद्योगपतियों और नागरिकों ने शहर के यातायात प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए थे, लेकिन उनके स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार तक नहीं पहुँचा है। उन्होंने कहा कि सभी बातें झूठी हैं। ऐसा कोई कर या कुछ भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जनता से प्राप्त सुझावों की जांच की जाएगी, लेकिन उन्हें स्वतः स्वीकार नहीं

किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने पहले संकेत दिया था कि बेंगलुरु की भीड़भाड़ कम करने की रणनीति पर हाल ही में हुई एक बैठक में भीड़भाड़ कर पर चर्चा हुई थी। शहरी गतिशीलता विशेषज्ञों ने इस तरह के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए, खासकर व्यस्त समय के दौरान, एकल-व्यक्ति कारों पर कर लगाने का सुझाव दिया था। प्रस्तावों में व्यस्त आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर इस पहल का पायलट परीक्षण भी शामिल था। हालांकि, शिवकुमार ने ऐसी किसी भी योजना को दृढ़ता से खारिज कर दिया और सुझाव दिया कि यदि ऐसा कोई कदम लागू किया जाना है, तो इस पर केंद्र सरकार को विचार करना चाहिए, न कि वर्तमान राज्य प्रशासन को। यह स्पष्टीकरण विपक्षी भाजपा की कड़ी आलोचना के बाद आया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार की तुलना तुगलक शासन से करते हुए आरोप लगाया कि वह बुनियादी ढाँचे की समस्याओं का समाधान किए बिना लोगों पर कर लगाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य नसीम खान ने मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गांधी परिवार के अन्य सदस्यों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे एक पत्र में खान ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता प्रिंटो महादेवन ने कथित तौर पर राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी थी,जोकि बेहद गंभीर और चिंताजनक बात है।

कांग्रेस नेता ने महादेवन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी की 'जान पर गंभीर खतरे को देखते हुए उन्हें विशेष सुरक्षा दी जानी चाहिए। खान ने कहा कि राहुल गांधी ने आम लोगों की सुरक्षा और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए लगातार आवाज़ उठाई है।

करूर भगदड़ पर डीएमके मंत्री का पलटवार, हम राहत दे रहे थे, विपक्ष कर रहा था राजनीति

चेन्नई। डीएमके मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने बुधवार को करूर भगदड़ को बेहद दुखद और अस्वीकार्य बताया और ज़ोर देकर कहा कि सरकार ने पीड़ितों की सहायता के लिए तुरंत और ज़िम्मेदारी से काम किया है। उन्होंने कहा कि घायलों के लिए प्रार्थना की जा रही है और उन्होंने समय पर राहत पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और राज्य के अधिकारियों का धन्यवाद किया। बालाजी ने कहा कि मैं पिछले 29 वर्षों से सार्वजनिक जीवन में हूँ और करूर में ऐसी त्रासदी कभी नहीं हुई। हम सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए समाधान खोजने चाहिए कि तमिलनाडु में कहीं भी ऐसी त्रासदी न हो। हम केवल प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। एक सौ आठ लोग अस्पताल में भर्ती थे और इलाज के बाद वापस आ गए हैं, जबकि सात अभी भी इलाज के अधीन हैं।

अभिनेता-राजनेता विजय के वीडियो संदेश में उन्होंने सवाल किया था कि यह घटना सिर्फ़ करूर में ही क्यों हुई, का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि वह

शोक संतप्त परिवारों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि करूर के 31 लोगों की मौत हो गई और मैं उनके परिवारों के संपर्क में हूँ। कल मैं एक ऐसे परिवार से मिला जो मुझसे पहले मिल चुका था और उनके बेटे की शादी होने वाली थी। वह हमारी पार्टी के कार्यक्रम में भी शामिल हुआ था। हमें इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। छोटे बच्चे वहाँ मौजूद थे।

बालाजी ने तर्क दिया कि राजनीतिक दलों को भीड़ के आकार के आधार पर जगह चुननी चाहिए। 'उन्होंने लाइटहाउस कॉर्नर के लिए कहा। यहाँ के लोग जानते हैं कि वहाँ कितने लोग खड़े हो सकते हैं। फिर उन्होंने उलावर संधाई से पूछा और आप जानते हैं कि वहाँ कितने लोग बैठ सकते हैं। एक राजनीतिक दल को भीड़ के आधार पर जगह चुननी चाहिए। हमने डीएमके का कार्यक्रम आयोजित किया और भीड़ के आधार पर जगह चुनी। हमारे कार्यक्रम के लिए पीने का पानी और बिस्कुट दिए गए थे। मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ, लेकिन कार्यक्रम के बाद आपने वहाँ बहुत सारी चप्पलें देखीं, लेकिन क्या आपको एक भी पानी की बोतल मिली?

भाजपा सांसद बृज लाल बने लोक शिकायत-न्याय समिति के अध्यक्ष, संसदीय समितियों का किया गया गठन

नई दिल्ली। लोकसभा में चयनित समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा हुई है। इसमें भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा को इन्सॉल्वेंसी और बैंकक्रप्सी कोड (संशोधन) बिल 2025 की चयनित समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, भाजपा सांसद बृज लाल को कर्मी, लोक शिकायत, कानून और न्याय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में गठित समिति में कुल 24 सदस्य होंगे। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल हैं। समिति का मुख्य कार्य इन्सॉल्वेंसी और बैंकक्रप्सी कोड (संशोधन) बिल 2025 पर विचार करना और आवश्यक सिफारिशें देना है। सांसद पांडा ने पहले ही आर्थिक और विधायी मामलों में सक्रिय भूमिका निभाई है और उनके नेतृत्व में समिति को कानून को और अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद है।

बृज लाल की अध्यक्षता

दूसरी ओर, ब्रिज लाल को कर्मी, लोक शिकायत, कानून और न्याय समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इस समिति में कुल 31 सदस्य शामिल हैं, जो लोकसभा और राज्यसभा दोनों से हैं। समिति का उद्देश्य प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं में सुधार के लिए सिफारिशें देना और जन शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने 4233 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास-उद्घाटन, विकास को नई दिशा

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अणे मार्ग स्थित संकल्प से 4233 करोड़ रूपये की लागत से जन सुविधा एवं विकास से संबंधित योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगस्त 2025 में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से हुयी फसल क्षति के लिये कृषि इनपुट अनुदान योजनान्तर्गत 2 लाख 41 हजार से अधिक प्रभावित किसानों के खाते में 113 करोड़ रूपये से अधिक की राशि का डी द बी0टी0 के माध्यम से अंतरण किया।

कार्यक्रम में पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा 1823 करोड़ रूपये त से निर्माण कराये जाने वाले 663 पंचायत सरकार भवन तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा 500 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण कराये ने 1000 विवाह मंडप का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना योजनान्तर्गत बिहार के सभी ग्राम पंचायतों में आधुनिक विवाह भवन (विवाह मंडप) का निर्माण किया जा रहा है, जिससे गरीब परिवारों को अपनी बेटियों की शादी के लिये एक नक और सुविधाजनक स्थान मिलेगा और उन्हें शादी के खर्चों में राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में भवन निर्माण विभाग द्वारा 885 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन द्वारा 825 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 367 एवं ग्राम पंचायतों द्वारा 160 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 140 पंचायत सरकार भवन का किया गया। पंचायत सरकार भवन ग्राम पंचायत सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा में विभिन्न विभागों के पंचायत स्तरीय कर्मियों के कार्यालय संचालन की व्यवस्था की इस भवन में लोक सेवाओं का अधिकार केन्द्र, पोस्ट ऑफिस बैंक की शाखा, सुधा मिल्क पार्लर इत्यादि खोला गया है। इस भवन का उपयोग उपर्युक्त कार्यों के बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं में भी किया जाता है।

साथ ही कृषि विभाग के अन्तर्गत 40 करोड़ 46 लाख रूपये की लागत से निर्मित दाऊदनगर प्रांगण (औरंगाबाद) का उद्घाटन किया गया। बिहार खाद्यान्न भंडारण एवं प्रशिक्षण पटना का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण की जनाओं में पंचायती राज विभाग, भवन निर्माण विभाग एवं कृषि विभाग की महत्वपूर्ण शामिल हैं।

बिहार में एसआईआर भाजपा को मतदाताओं का 'उत्पीड़न' करने का मौका देगा : ओवैसी

पटना। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम)के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा कराये गये मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से भाजपा को मतदाताओं का 'उत्पीड़न' करने का मौका मिल जाएगा।

वह सोशल मीडिया के उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिनमें दावा किया गया था कि बिहार के एक निर्वाचन क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को सूची से हटाने का प्रयास किया गया।

ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार में एसआईआर की सच्चाई। राजनीतिक दलों, खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को धर्म के आधार पर मतदाताओं को परेशान करने और उन्हें हटाने का मौका मिलेगा। आज के भारत में, गरीब मुसलमानों और दलितों के पास केवल एक ही साधन है- वोट देने का उनका अधिकार। भाजपा उन्हें उत्पीड़न के खिलाफ असहाय बनाना चाहती है।''

चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले बिहार में मतदाताओं की कुल संख्या 7.89 करोड़ थी, जो मंगलवार को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में लगभग 47 लाख घटकर 7.42 करोड़ रह गई है। हालांकि, अंतिम संख्या में 17.87 लाख की वृद्धि हुई है, जबकि एक अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में 7.24 करोड़ मतदाता थे। मसौदा मतदाता सूची में मृत्यु, प्रवास और मतदाताओं के नाम के दोहराव सहित विभिन्न कारणों से 65 लाख मतदाताओं के नाम मूल सूची से हटा दिए गए थे।

इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करते हुए गुणवत्ता, सौंदर्य और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है - उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

औंध संग्रहालय और बीड स्थित कंकालेश्वर मंदिर राज्य की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बीड स्थित कंकालेश्वर मंदिर और सतारा जिले के औंध स्थित संग्रहालय महाराष्ट्र की अमूल्य सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर हैं। इस धरोहर को संरक्षित करना हमारी ज़िम्मेदारी है और ऐसा करते हुए, कार्य गुणवत्तापूर्ण और विरासतपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और इन स्मारकों के आसपास के किसी भी पेड़ को न काटा जाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंत्रालय स्थित उपमुख्यमंत्री कार्यालय के समिति कक्ष में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राज्य संरक्षित स्मारकों कंकालेश्वर मंदिर, बीड और श्री भवानी चित्रशाला एवं पुस्तकालय, औंध (सतारा जिला) के

संरक्षण और मरम्मत कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, नियोजन विभाग के प्रधान सचिव सौरभ विजय, सांस्कृतिक कार्य विभाग की सचिव किरण कुलकर्णी, उपमुख्यमंत्री के सचिव डॉ. राजेश देशमुख, पुरातत्व विभाग के निदेशक तेजस गर्गे, लोक निर्माण विभाग के सचिव आबासाहेब नागरगोजे, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बीड के जिला कलेक्टर विवेक जॉनसन और पुणे में लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता राजेंद्र रहाणे उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि सरकार ने 12वीं शताब्दी के यादवकालीन कंकालेश्वर मंदिर के संरक्षण और मरम्मत के लिए 9 करोड़ 14 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की है। जलाशय में स्थित इस स्थापत्य कला से परिपूर्ण मंदिर के संरक्षण के साथ-साथ परिसर का सौंदर्यीकरण, सरोवर से गाद निकालना, पैदल मार्गों की मरम्मत, मंदिर की नींव को मजबूत करना, रिसाव निवारण योजना, उद्यानों और बागों का विकास जैसे कार्य किए जाएँगे। इस मंदिर के संरक्षण के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। सातारा जिले के औंध में श्री भवानी संग्रहालय और पुस्तकालय, महाराष्ट्र में ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्र है। इसकी स्थापना औंध संस्थान के शासक बालासाहेब पंतप्रतिनिधि ने की थी। संग्रहालय ने विश्व प्रसिद्ध चित्रकारों द्वारा चित्रों, मूर्तियों, दुर्लभ पुस्तकों और प्राचीन वस्तुओं का अमूल्य संग्रह संरक्षित किया है। यह स्थान शोधकर्ताओं, विद्वानों और पर्यटकों के लिए एक विशेष आकर्षण है। औंध संग्रहालय की व्यापक विकास योजना के लिए 52 करोड़ 6 लाख रुपये का कोष मंजूर किया गया है, जिसमें भवन का संरक्षण, नव निर्माण, आंतरिक हॉल का निर्माण और चित्रों, मूर्तियों और पुस्तकों के संरक्षण जैसे कार्य शामिल हैं। कंकालेश्वर मंदिर और औंध संग्रहालय। इन दोनों ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए निधि को खत्म नहीं होने दिया जाएगा, लेकिन उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस धरोहर को संरक्षित करते समय गुणवत्ता, सुंदरता और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हुए काम किया जाना चाहिए।

बृजेश त्रिपाठी राकां एसपी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

मुंबई, (सं.) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने वरिष्ठ नेता बृजेश त्रिपाठी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है.बृजेश ने कहा कि मैं शरदचंद्र पवार और सुप्रिया सुले का आभार मानता हूं. आने वाले समय में पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाना और पार्टी विचारों को जन-जन तक पहुंचाना मेरा उद्देश्य होगा. मैं पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यरत रहूंगा. बृजेश ने दिवंगत डी.पी. त्रिपाठी के सानिध्य में वर्ष 1993 में एनसीपी से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी. एक कर्मठ और ईमानदार नेता के तौर पर उनकी पहचान है. वे मुंबई प्रदेश एनसीपी के सचिव, एनसीपी की युवा इकाई के महासचिव और विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य के रूप में काम कर चुके हैं. भारत-नेपाल सरकार और नागरिकों के बीच संबंधों को मजबूत करने और भारत-ब्रिटेन नागरिक संबंधों को सशक्त बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है. वर्तमान में वे दक्षिण एशिया सॉलिडैरिटी फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक हैं और दक्षिण एशियाई एकजुटता को बढ़ावा देने के

लिए कार्यरत हैं. उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद के मूल निवासी त्रिपाठी जी का विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति की तरफ झुकाव रहा। वे स्कूल एवं कालेज में विद्यार्थियों का नेतृत्व कर चुके हैं।

उच्च न्यायालय ने पूर्व प्रेमिका की नृशंस हत्या के लिए इंजीनियर की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय ने 2008 में पुणे में अपनी पूर्व प्रेमिका और सहकर्मी की ''नृशंस'' हत्या के लिए एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है।

न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने 26 सितंबर के अपने फैसले में कहा कि यह मामला अत्यधिक घृणा, ईर्ष्या और प्रतिशोध से प्रेरित एक युवती की क्रूर हत्या का था। आदेश की प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई।

अदालत ने मध्य प्रदेश निवासी इंजीनियर मोहिंदर मधुरेश की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें सत्र न्यायालय द्वारा दिसंबर 2016 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें उसे हत्या का दोषी ठहराया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मधुरेश

ने 20 अक्टूबर, 2008 को पुणे स्थित अपने फ्लैट में खुशबू मिश्रा की हत्या कर दी थी। उस समय दोनों की उम्र 22 साल थी और नौकरी मिलने के बाद वे शहर आ गए थे। मध्य प्रदेश में कॉलेज के दिनों में दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। पुणे आने के बाद, मतभेदों के चलते महिला ने मधुरेश से संबंध तोड़ लिया, जिससे वह नाराज हो गया। इसके बाद उसने खुशबू को परेशान करना और धमकाना शुरू कर दिया।

सितंबर में सेवानिवृत्त हुए नवी मुंबई नगर निगम के 7 अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी द्वारा संगठन के लिए दिया गया योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और भले ही आज सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों का कार्यालय से दैनिक संपर्क नहीं रहेगा, फिर भी नगर निगम के प्रति उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा, प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसनराव पलांडे ने कहा।

वे सितंबर 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले 7 अधिकारियों और कर्मचारियों के मुख्यालय स्थित ज्ञान केंद्र में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़, नगर सचिव श्री चित्रा बाविस्कर, अतिरिक्त नगर अभियंता श्री अरविंद शिंदे, विधि

अधिकारी श्री अभय जाधव, षष्ठम स्वास्थ्य अधिकारी श्री रत्नप्रभा चव्हाण और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता श्री वसंत पडघन, सहायक लेखा अधिकारी श्री राजेश कदम, मुख्य औषधि उत्पादक श्री आशा पाटिल, औषधि उत्पादक श्री प्रकाश तामखड़े, स्वास्थ्य सहायक श्री. राजेंद्र भोंगले, वाहन चालक श्री नंदकुमार भोपी, स्वच्छताकर्मी श्री प्रभा परमार सहित सितंबर 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले 7 अधिकारियों और कर्मचारियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शॉल, पुष्पगुच्छ और पदक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यपालन अभियंता श्री वसंत पडघन ने उपस्थित लोगों की ओर से अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं और आतिथ्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

पश्चिम रेलवे ने ईएमयू और ट्रैक्शन रखरखाव में महिला शक्ति को आगे बढ़ाया

परंपरागत धारणाओं से आगे, प्रगति की ओर कदम!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक चलाने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी भूमिकाओं में महिलाओं को सशक्त बनाकर मानदंडों को पुनर्परिभाषित और समावेशिता को बढ़ावा दे रही है। अत्याधुनिक ईएमयू रेकों के रखरखाव से लेकर हाई-वोल्टेज ट्रैक्शन प्रणालियों के प्रबंधन तक, महिला तकनीशियन उन भूमिकाओं में कदम रख रही हैं, जिन्हें कभी पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था और यह साबित कर रही हैं कि विशेषज्ञता और समर्पण लिंग-भेद से परे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल, कांदिवली और विरार में स्थित ईएमयू कारशेड मुंबई की जीवन रेखा के रखरखाव की रीढ़ हैं। ये कारशेड यातायात की माँग के अनुसार ईएमयू रेकों के सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन को सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे संचालित होते हैं, जहाँ 112 रेकों पर अनुसूचित और अनिर्धारित दोनों तरह के रखरखाव किए जाते हैं। अत्याधुनिक 3-फेज एसी (25 केवी अल्टरनेटिंग करंट) तकनीक वाले ये रेक क्रमशः 60 और 240 दिनों के अंतराल पर दो प्रमुख रखरखाव

अनुसूचियों, आईए और आईसी, से गुजरते हैं। इन अनुसूचियों के दौरान कुल 45 गतिविधियाँ की जाती हैं, जिनमें से तीन प्रमुख कार्यों में सुरक्षा मंजूरी का मापन, तेल लगाना और बैटरी जाँच शामिल हैं।

इन प्रमुख केंद्रों पर समर्पित महिला टीमों की तैनाती एक उल्लेखनीय विशेषता है। मुंबई सेंट्रल, कांदिवली और विरार स्थित ईएमयू कारशेड में तैनात लगभग 100 महिला तकनीशियनों और पर्यवेक्षकों को ये महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। ये टीमें सुनिश्चित करती हैं कि सभी सुरक्षा मानदंड आरडीएसओ द्वारा निर्धारित अनुमेय सीमाओं के भीतर हों और ल?यूब्रिकेंट एवं बैटरी संबंधी सभी गतिविधियाँ सटीकता और दक्षता के साथ संपन्न हों। कुशल, सतर्क और शून्य विफलताओं को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध, ये महिलाएँ पश्चिम रेलवे की परिचालन उत्कृष्टता की खोज का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय कर्षण (टीआरडी) विभाग ने महालक्ष्मी कर्षण सबस्टेशन पर शहर की पहली महिला-प्रधान रखरखाव टीम की स्थापना की है, जिसने लैंगिक समावेशन में एक नया मानक स्थापित किया है। रखरखाव टीमें विश्वसनीय उपनगरीय ट्रेन संचालन की रीढ़ होती हैं क्योंकि ये टीमें एसी कर्षण प्रणाली में बिजली आपूर्ति प्रतिष्ठानों के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करती हैं। इस महिला-प्रधान इकाई ने सबस्टेशन पर 25 केवी और 110 केवी उपकरणों के प्रबंधन और रखरखाव के लिए गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया है और अब इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करते हुए स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए आधिकारिक तौर पर तैनात किया गया है। यह अभूतपूर्व पहल बदलती सामाजिक गतिशीलता को रेखांकित करती है।

स्कूल ने छात्र-छात्राओं के तिलक और बिंदी लगाने पर प्रतिबंध लगाया, नगर निगम ने भेजा नोटिस

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण में एक निजी स्कूल ने छात्र-छात्राओं के धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक जैसे तिलक और बिंदी लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन ये मामला तूल पकड़ गया और परिजनों की शिकायत के बाद कल्याण नगर निगम ने स्कूल प्रशासन को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ अभिभावकों ने छात्रों को माथे पर तिलक या बिंदी, चूड़ियां और राखी या कलावा पहनने से मना करने पर आपत्ति जताई।

अभिभावकों ने की शिकायत

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि कुछ छात्रों द्वारा लगाए गए तिलक को स्कूल प्रशासन द्वारा जबरन हटा दिया गया और फिर से ऐसा करने पर उन्हें सजा देने की धमकी दी गई। कुछ अभिभावकों ने यह भी दावा किया कि छात्रों को शारीरिक रूप से भी प्रताड़ित किया गया। कई अभिभावकों की शिकायतों के बाद, एक राजनीतिक दल के कुछ स्थानीय कार्यकर्ताओं ने कल्याण डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) के शिक्षा विभाग से इसकी शिकायत की।

नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि विभाग ने मंगलवार को स्कूल प्रशासन को एक नोटिस भेजकर धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों पर प्रतिबंध लगाने और छात्रों के खिलाफ कथित दंडात्मक कार्रवाई के बारे में स्पष्टीकरण मांगा।

अधिकारी ने कहा, 'शिकायत के तुरंत बाद, विभाग ने कार्रवाई की और स्कूल को नोटिस भेजा। हमें उम्मीद है कि मामला जल्द ही सुलझ जाएगा। मामले को और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत नहीं है। अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा।'

स्कूल प्रशासन ने दी सफाई

वहीं स्कूल प्रबंधन ने एक बयान में अपनी नीतियों का बचाव किया और धर्मनिरपेक्षता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। स्कूल प्रशासन ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने कोई फतवा जारी नहीं किया है।

मध्य रेल

ई - निविदा सूचना

ई-खुली निविदा संख्या: मरेप्रकार्यनागपुर 68-2025 दिनांक 29.09.2025. कार्य का नाम: अमला-नागपुर खंड के अंतर्गत एक तरफ शेष पहुंच मार्ग और एलसी संख्या 261/सी, 265/बी और 265/ए पर जल निकासी का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** ₹ 2,33,46,989.07. **बयाना राशि:** ₹ 2,66,700/-. **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 21.10.2025 को 15.00 बजे।** ई-टेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं तथा ऑनलाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट सूचना **www.ireps.gov.in** देखे।

Akar-27-222 — **मं.रे.प्र. (कार्य) मध्य रेल, नागपुर**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

घनसोली संभाग में अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद, संबंधितों ने नोटिस का संज्ञान नहीं लिया। माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार और अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, अतिक्रमण विभाग ने नवी मुंबई नगर निगम विभाग के माध्यम से घनसोली संभाग में अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की।नवी मुंबई नगर निगम के क्षेत्राधिकार में, सेक्टर 21, घनसोली में श्री जयवंत गायकर (गृहस्वामी एवं विकासकर्ता) ने नवी मुंबई नगर निगम से पूर्व अनुमति लिए बिना भूतल पर आरसीसी और स्तंभों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया था और पाया गया कि प्रथम तल के स्लैब का निर्माण कार्य प्रगति पर था। महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा-54 के अंतर्गत संबंधितों को नोटिस जारी किए गए। संबंधितों को अपने द्वारा किए गए अनधिकृत निर्माण को स्वयं हटाने के लिए कहा गया। हालाँकि, उक्त स्थान पर अनाधिकृत निर्माण जारी रहा।

नवी मुंबई नगर निगम ने उक्त स्थान पर अनाधिकृत निर्माण पर दूसरी बार तोड़फोड़ अभियान चलाया था। तदनुसार, 08 कर्मचारियों, 03 ब्रेकरों और 01 गैस कटर की सहायता से उक्त अनाधिकृत निर्माण को हटाया गया। इस तोड़फोड़ अभियान में घनसोली प्रभाग के सहायक आयुक्त एवं प्रभागीय अधिकारी श्री उत्तम खरात, कनिष्ठ अभियंता श्री रितेश पुरव, प्रभागीय कार्यालय के अतिक्रमण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी तथा पुलिस दल तैनात थे।भविष्य में भी इसी प्रकार अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई तेज की जाएगी।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

अनुबंध के आधार पर यात्री डब्बो में पानी भरने का कार्य

निविदा सूचना क्र. GEM/2025/B/6744662. Dated: 30.09.2025. मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के व्दारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखीत कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम स्थान सहित:** सोलापुर मंडल के सोलापुर स्टेशन पे यात्री डब्बो मे पानी भरने का कार्य निविदा के आधार पे लोन वर्ष के लिए GeM पे आमंत्रित किया जाता है। **निविदा कार्य पध्दती:** दो पॅकेट सिस्टम. **कार्य की औसत लागत:** ₹ 4,34,00,546,26. **निविदा प्रपत्र मुल्य:** Nil. **कार्यालय का पत्ता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है।** मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर. **जमा करने योग्य बयाना रकम**: ₹ 3,67,010/-. **कार्य का समापन अवधी**: तीन वर्ष कार्य की प्रारंभ की तिथी से। **निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समय: 24.10.2025 Time 09.00. निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समय: 24.10.2025 time 09.30.** वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपुर्ण विवरण देखे जा सकते है: **www.GeM.gov.in**

Akar/Sur-66 — **वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता मध्य रेल, सोलापुर**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना क्रमांक: NGP-ELECT-TRD-2025-26-18, dated 29-09-2025

वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (कर्षण वितरण), मध्य रेल, नागपुर, निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी ठेकेदारों से डिजिटली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** एडीईई/टीआरडी/नागपुर और एडीईई/टीआरडी/आमला के अधिकार क्षेत्र में जंग लगे कैंटिलीवर असेंबली का प्रतिस्थापन। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु.4,85,16,075.38/- (चार करोड़, पचासी लाख, सोलह हज़ार, पचहत्तर रुपये और अड़तीस पैसे मात्र). **बयाना राशि:** रु. 3,92,600/- (तीन लाख, बानवे हज़ार, छह सौ रुपये). **निविदा बंद होने की तारिख एवं समय: 27.10.2025 at 15.00 बजे। वेबसाईट :** इस ई-निविदा की अधिक जानकारी तथा ई-टेंडरींग/ऑनलाइन भाग हेतु संपूर्ण सूचना रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

Akar-24-219 — **वरि. मं.बि.इं. (टीआरडी), मध्य रेल, नागपुर**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

नागपुर से चंद्रपुर एक्सप्रेसवे को मंज़ूरी:

भविष्य में सड़कें बनाते समय क्षेत्र में विकास का एक 'पारिस्थितिकी तंत्र' बनाएँ- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में वर्षा के आवास पर हुई कैबिनेट इंफ्रास्ट्रक्चर समिति की बैठक में नागपुर से चंद्रपुर तक 204 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले सीमेंट-कंक्रीट राजमार्ग को मंज़ूरी दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चंद्रपुर और मूल के बीच राजमार्ग निर्माण का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भविष्य में किसी भी सड़क का निर्माण करते समय, सड़क के क्षेत्र में विकास का एक 'पारिस्थितिकी तंत्र' बनाया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए पहले से भूमि अधिग्रहण करके योजना बनाने के भी निर्देश दिए। चूँकि नागपुर-चांदपुर राजमार्ग नवेगांव मोड़ तक बनाया जा रहा है, इसलिए उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस राजमार्ग की लंबाई सुरजागढ़ लौह परियोजना तक बढ़ाई जानी चाहिए। बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ, मुख्य सचिव राजेश कुमार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विकास परियोजनाओं को पूरा करते समय एक समय सीमा होनी चाहिए। यदि परियोजना में देरी होती है या विलंब होता है, तो लागत बढ़ने से राज्य पर

अनावश्यक रूप से वित्तीय बोझ पड़ता है। वर्तमान में राज्य में 10 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन कार्यों की प्रगति की गति को कहीं भी धीमा नहीं पड़ने दिया जाना चाहिए। इन कार्यों के पूरा होने के बाद अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इसलिए, इन सभी कार्यों को नियोजित और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

भविष्य में, राज्य में बुनियादी ढांचे के कार्यों को शुरू करते समय, इसे पहले गतिशक्ति पोर्टल पर लाया जाना चाहिए। गतिशक्ति पोर्टल पर लाए बिना परियोजना का काम शुरू नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकारी निर्णय जारी करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं का काम शुरू करते समय, भविष्य की समस्याओं को देखते हुए, शुरुआत से ही योजना बनाई जानी चाहिए। इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पहले ही कर लिया जाना चाहिए और बाद में काम शुरू किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को परियोजनाओं के सुगम क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों का विस्तार और गठन करना चाहिए। बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए, संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ कर्मचारियों की भर्ती बाहरी स्रोतों से की जानी चाहिए। बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को दी गई आईडी से भुगतान में अनियमितताओं पर अंकुश लगेगा, ऐसा भी मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा।

लोक निर्माण और जल आपूर्ति विभाग को पुराने बकाया भुगतान की बाध्यता के अनुसार समयबद्ध कार्यक्रम लागू करना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने आधुनिक तकनीक की मदद से एक ऐसी प्रणाली विकसित करने के भी निर्देश दिए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि विभाग केवल किए गए कार्य के लिए ही भुगतान करें और भुगतान की जाँच की जा सके।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि समृद्धि राजमार्ग पर 16 स्थानों पर शौचालय बनाए जा रहे हैं। पेट्रोल पंप और फूड मॉल भी होने चाहिए। शौचालयों को पर्यटन के उद्देश्य से विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को एक सलाहकार नियुक्त करना चाहिए। राजमार्ग पर स्थित 16 स्थानों में से कम से कम चार स्थानों पर एमएसआरडीसी को पर्यटन के उद्देश्य से केंद्र स्थापित करने चाहिए। राज्य में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए धन जुटाने में रुचि रखने वाले निवेशकों के धन से विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। आगे के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करके उन्हें एक निश्चित पारिश्रमिक मिले, इसकी व्यवस्था की जानी चाहिए। धन जुटाने का एक नया मॉडल विकसित किया जाना चाहिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (लोक निर्माण) मनीषा म्हैसकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) ओ.पी. गुप्ता, प्रमुख सचिव (योजना) सौरभ विजय, प्रमुख सचिव (विधि एवं न्याय) सुवर्णा केवले, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के प्रबंध निदेशक अनिल गायकवाड़ और अन्य उपस्थित थे।

पूर्वी विदर्भ में बुनियादी ढाँचा सड़क परियोजनाओं के बारे में:-

नागपुर से चंद्रपुर चार लेन सीमेंट कंक्रीटिंग राजमार्ग, लंबाई 204 किलोमीटर, चंद्रपुर शहर को जोड़ने वाली सड़क 11 किलोमीटर, भूमि अधिग्रहण सहित कुल लागत 2353.39 करोड़ रुपये।

आरएसएस को लेकर संजय राउत ने खड़े किए सवाल

100 वर्षों में एक भी दलित क्यों नहीं बना संघ प्रमुख?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने के मौके पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तीखा हमला करते हुए सवाल किया है कि एक शताब्दी में कोई भी दलित, पिछड़ा या आदिवासी आरएसएस का प्रमुख क्यों नहीं बना? इस दौरान संजय सिंह ने यह भी कहा कि संघ ने जिन्ना की मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार बनाने में भागीदारी की थी और आजादी के आंदोलन में क्रांतिकारियों की मुखबिरी की।

संजय सिंह ने अंग्रेजों के प्रति आरएसएस की नीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि संघ के लोगों को ब्रिटिश सेना में भर्ती क्यों कराया गया और भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे का विरोध क्यों किया। उन्होंने यह भी पूछा कि संघ के मुख्यालय पर 52 साल तक तिरंगा क्यों नहीं फहराया गया।

संजय सिंह ने कहा कि राष्ट्र की अखंडता और जनहित के लिए जो लोग नहीं खड़े हुए, हम उनके लिए खड़े नहीं होंगे। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने अभी तक जो भी निर्णय लिए और कार्य किए, वे अक्सर जातीय और सांप्रदायिक आधार पर दिखते हैं। उन्होंने संघ की उस छवि पर भी सवाल उठाया जिसमें वह हमेशा सत्ता और सामर्थ्य के साथ जुड़ा दिखता रहा।

संजय सिंह के इन सवालों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि अब समय है कि इतिहास और वर्तमान पर नजर डालकर देखा जाए कि आरएसएस ने किस तरह देश के हर वर्ग के लिए काम किया और किस वर्ग को नजरअंदाज किया।

दशहरा रैली के पहले गरजे उद्धव ठाकरे, बिहार में महिलाओं को 10,000 रुपये देने पर उठाए सवाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई(संवाददाता) । महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बिहार में महिलाओं को 10,000 रुपये देने के फैसले पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा है कि संकट महाराष्ट्र पर है और 10,000 रुपये बिहार में दिए जा रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की वजह से बीजेपी, महाराष्ट्र की जगह बिहार पर ध्यान दे रही है.

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने 1 अक्टूबर को एक प्रेस वार्ता में कहा कि मुझे लगता है कि चार-पांच दिन पहले मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मिलने गए थे और खबर आई कि वह प्रधानमंत्री से प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं. बिहार में चुनाव हैं और प्रधानमंत्री ने वहां हर महिला को 10,000 रुपये दिए.महाराष्ट्र संकट में है और बिहार में चुनाव हैं; इसलिए आप बिहार की ओर देख रहे हैं और महाराष्ट्र को नजरअंदाज कर रहे हैं. यह अन्याय है, सरासर अन्याय.'

'एक्टर पर 41 लोगों की हत्या का केस दर्ज हो', करुर भगदड़ पर संजय राउत का बड़ा बयान

अपनी सरकार के फैसलों का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि मुझे किसानों की पीड़ा देखकर दुख हुआ, इसलिए मैंने कर्जमाफी की. तब हमारी नीयत पर सवाल उठाए गए. आज भी किसानों को मदद नहीं मिल रही. यहां सिर्फ अध्ययन किया जा रहा है. केंद्र का दल अभी तक नहीं आया है. वे कब आएंगे, कब पंचनामा करेंगे?

दिल्ली जाएं सीएम फडणवीस- ठाकरे

पूर्व सीएम ने कहा कि आप इसे 'ओला सूखा' कहें या कुछ और, लेकिन एक नई योजना लानी चाहिए. स्कूल भी शुरू होने चाहिए. जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मैंने छावनियों का दौरा किया था.

सीएम देवेंद्र फडणवीस की ओर इशारा करते हुए ठाकरे कहा कि 80 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री अनाज देते हैं, लेकिन जो किसान उसे उगाता हैष्ठ उसे आप क्या देते हैं? स्कूलों की सफाई अभियान शुरू कर उन्हें भी चालू करना चाहिए. यह बड़ा संकट है. हमें राजनीति नहीं करनी. हमारी मांगों के लिए आपको दिल्ली तक जाना चाहिए.

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों ने व्यक्त किए विचार, नवी मुंबई एक ऐसा शहर है जो वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान और देखभाल करता है

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बुजुर्गों को अपने ज्ञान के भंडार का उपयोग समाज के हित में करने की आशा व्यक्त करते हुए, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने वरिष्ठ नागरिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नवी मुंबई नगर निगम बुजुर्गों को भावनात्मक सहारा प्रदान करने के लिए कार्य करता है। वे वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वाशी स्थित विष्णुदास भावे थिएटर में नवी मुंबई नगर निगम द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार और डॉ. राहुल गेठे, प्रशासन विभाग के उपायुक्त किसनराव पलांडे, सामाजिक विकास विभाग की उपायुक्त नयना सासने, जोन 1 विभाग के उपायुक्त सोमनाथ पोटरे, अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़, शिक्षा विभाग के उपायुक्त संघरत्न खिल्लारे, आपदा प्रबंधन विभाग की उपायुक्त ललिता बाबर, कार्यकारी अभियंता शुभांगी डोडे के साथ-साथ महाराष्ट्र राज्य वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष अन्नासाहेब टेकाले, मुंबई संभाग के अध्यक्ष सुरेश पोटे, एनएमयूएमपीए वरिष्ठ नागरिक स्वतंत्र प्रकोष्ठ की सदस्य शालिनी इंगले और अन्य गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर सेक्टर 1 के वरिष्ठ नागरिक संघ द्वारा स्वच्छता पर जन जागरूकता पर आधारित एक लघु नाटक प्रस्तुत किया गया। 8 सीबीडी बेलापुर, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने कहा कि नवी मुंबई शहर की स्वच्छता रेटिंग में सभी कारक, चाहे वे बड़े हों या छोटे, महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मानव जीवन और प्रकृति के लिए हानिकारक प्लास्टिक को अस्वीकार करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है और इस संबंध में, वरिष्ठ नागरिकों को इसका ध्यान रखना चाहिए।

इस अवसर पर बोलते हुए, अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार ने कहा कि बुजुर्गों के चेहरे पर झुर्रियाँ अनुभव की निशानी हैं और उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि पुणे में हमारे बुजुर्ग माता-पिता की

देखभाल करने जैसा कोई काम नहीं है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिक संगठनों से अपील की कि वे शहरी क्षेत्रों की तरह ही गाँवों और मलिन बस्तियों में बुजुर्गों से बातचीत करें, उनकी समस्याओं को समझें और उनका समाधान करने का प्रयास करें। महाराष्ट्र राज्य वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष और एनएमएमपीपीए वरिष्ठ नागरिक स्वतंत्र प्रकोष्ठ के सदस्य श्री. अन्नासाहेब टेकाले ने कहा कि नवी मुंबई देश की सबसे प्रगतिशील नगर निगम है, जो वरिष्ठ नागरिकों का इतना ध्यान रखती है और विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करती है, साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अलग कक्ष भी है। उन्होंने कहा कि विरंगुला केंद्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक मानसिक संबल है। वरिष्ठ नागरिक आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने और अधिक कल्याणकारी सुविधाएँ शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, जिसके लिए उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों की ओर से आभार व्यक्त किया।

सामाजिक विकास विभाग की उपायुक्त नयना सासने ने कहा कि यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और स्नेह का प्रतीक है और इस अवसर पर आयोजित 14 प्रकार की प्रतिभा प्रतियोगिताओं में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लेने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के लिए नगर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों और सुविधाओं का जायजा लेते हुए बताया कि आयुक्त की स्वीकृति से जल्द ही और सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर इस वर्ष 75 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 135 वरिष्ठ नागरिकों और विवाह के 50 वर्ष पूरे करने वाले 14 वरिष्ठ नागरिक दम्पतियों का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इनमें वरिष्ठ रंगकर्मी जयंत ओक को भी अमृत महोत्सव के अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कैरम, ब्रेन टीज़र, ब्रीज़, मोनोलॉग, वेशभूषा, कविता पाठ, गायन, नृत्य, नाटक, कहानी, हास्य, टेलीफोन, पत्र लेखन, निबंध जैसी 14 प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक कवि मोहन काले, नर्तक रविराज अडसूल ??और श्रीमती रेणुका धीरंगी सहित अन्य प्रतियोगिताओं के निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने भी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

आशिर्वाद फाउंडेशन ने मीरा-भायंदर मनपा लाइब्रेरी को सौंपीं पुस्तकें

भाईंदर, मंत्र भारत। सामाजिक सरोकारों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली संस्था आशिर्वाद फाउंडेशन ने मंगलवार, 30 सितंबर को मीरा-भायंदर महानगरपालिका की सार्वजनिक पुस्तकालय को विभिन्न विषयों की पुस्तकें भेंट कीं। यह पुस्तकें मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा और लाइब्रेरी प्रशासन के प्रमुख कैलाश गिते को संस्था की टीम द्वारा औपचारिक रूप से सौंपीं गईं।

आशिर्वाद फाउंडेशन, जिसका ध्येय वाक्य है 'जीने का सहारा', सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रही है। अगस्त माह में संस्था ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भाईंदर पश्चिम के उत्तन

क्षेत्र में लगभग 100 वृक्षारोपण किए थे।

संस्था के अध्यक्ष गणेश पाण्डेय ने कहा, 'हम कम संसाधनों के बावजूद मीरा-भायंदर क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुस्तक दान से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को पढ़ाई में सहायता मिलेगी और वे किसी भी अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहें – यही हमारा प्रयास है।'

इस अवसर पर संस्था की ओर से गणेश पाण्डेय, कृष्ण कुमार,कृष्ण कुमार, नीलेश गुप्ता, सुरज दूबे, और शांत प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे।

मलाड में बिना इजाजत शूटिंग करते मिले 'फिल्मी पुलिसवाले', असली पुलिस ने थाने पहुंचाया

मुंबई(संवाददाता) । मुंबई जैसे शहर में जहां हर कोने पर सीसीटीवी कैमरे और पुलिस की पैनी नजर रहती है, वहां भी कुछ लोग नियमों को तोड़कर मनमानी करने से पीछे नहीं हटते. ऐसा ही एक मामला मलाड पश्चिम से सामने आया है, जहां एक फिल्म क्रू टीम पुलिस की वर्दी और पुलिस वाहन जैसी गाड़ी का इस्तेमाल करते हुए बिना अनुमति के शूटिंग कर रही थी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरी टीम को पकड़ लिया और मामला दर्ज कर लिया है.

घटना की शुरुआत तब हुई जब बांगुर नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी देवेंद्र थोराट और उनके साथी प्रशांत बोरकुट ड्यूटी खत्म कर लौट रहे थे. रास्ते में उन्होंने एक इमारत के बाहर सफेद रंग की बोलेरो खड़ी देखी, जिस पर महाराष्ट्र पुलिस का लोगो लगा हुआ था.

गाड़ी संदिग्ध लगी तो उन्होंने और गौर किया. तभी उनकी नजर एक शख्स पर पड़ी जो पुलिस की वर्दी पहनकर गाड़ी के पास खड़ा था. पास ही खड़ी इनोवा से एक कैमरामैन कैमरा लेकर शूटिंग कर रहा था.

पूछताछ में निकली सच्चाई

पुलिस ने मौके पर जाकर पूछताछ की तो वहां मौजूद एक महिला ने खुद को अंजलि अनुज छाबड़ा बताया. उसने कहा कि वह रितेश कौल की कंपनी रोज ऑडियो विजुअल्स के लिए कंटेंट बना रही है.

जब पुलिस ने परमिशन पत्र मांगा तो वह चौंक गई और मान लिया कि उनके पास किसी भी तरह की आधिकारिक अनुमति नहीं है. उसने सफाई दी कि वे लोग 'जागरूकता वीडियो' शूट कर रहे थे.

जांच में पता चला कि वर्दी पहनने वाला शख्स ऋषिकेश सक्सेना था. इनोवा का ड्राइवर रमेश था, कैमरा रेहान संभाल रहा था, जबकि बोलेरो मुदस्सिर सरवर शेख चला रहा था. अंजलि अनुज छाबड़ा इस पूरे शूट की जिम्मेदार थी और प्रोडक्शन कंपनी से जुड़े रितेश कौल का नाम भी सामने आया. पुलिस ने तुरंत सभी को थाने ले जाकर पूछताछ की.

बांगुर नगर पुलिस ने साफ किया कि बिना अनुमति के सार्वजनिक जगह पर शूटिंग करना गंभीर अपराध है. खासकर तब, जब पुलिस की वर्दी और लोगो का दुरुपयोग किया जा रहा हो. यह आम जनता को गुमराह करने के साथ-साथ कानून की गरिमा को ठेस पहुंचाता है.

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने किया था अपने ऊपर हमले का दावा, पुलिस ने बताया 'झूठ', बंद की जांच

नागपुर। पुलिस ने पिछले साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता अनिल देशमुख पर कथित तौर पर पत्थर से हमला करने के मामले की जांच बंद कर दी है। पुलिस ने कोर्ट में 'बी सारांश' रिपोर्ट दाखिल कर इसे झूठा मामला बताया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

शिकायतकर्ता पर मुकदमा दर्ज करने की मांगी अनुमति

नागपुर ग्रामीण पुलिस ने इस रिपोर्ट को कातोल की कोर्ट में पिछले हफ्ते जमा किया, क्योंकि फोरेंसिक जांच और पूछताछ में शिकायत में किए गए दावे सही साबित नहीं हुए। पुलिस ने अदालत से शिकायतकर्ता के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है।

अनिल देशमुख के निजी सहायक उज्ज्वल भोयर ने यह शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पत्थरों से हमला होने का आरोप लगाया था। यह घटना 18 नवंबर 2024 की बताई गई, जब देशमुख नागपुर जिले के नारखेड गांव से चुनाव प्रचार बैठक के

बाद कातोल लौट रहे थे।

शिकायत में क्या कहा गया था?

शिकायत में कहा गया था कि चार अज्ञात लोगों ने उनके कार पर पत्थर फेंके। एक पत्थर उनके सिर पर लगा जिससे उन्हें चोट लगी और कार के अंदर कांच के टुकड़े मिले। उस समय अनिल देशमुख अपने बेटे सलिल देशमुख के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो कातोल विधानसभा सीट से एनसीपी (एसपी) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। हालांकि, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) ने इस पत्थर से हमले के दावे को खारिज कर दिया।

विशेषज्ञों ने बताया कि कार का मजबूत शीशा एक ही झटके से टूट नहीं सकता। अनिल देशमुख की चोट कांच के टुकड़ों से लगी चोट से मेल नहीं खाती और विंडशील्ड के दरारें उस कथित घटना से मेल नहीं खातीं। खास बात यह है कि चोट में कोई कांच का टुकड़ा नहीं मिला। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और आस-पास के इलाकों की भी जांच की। लेकिन हमलावरों या किसी गवाह का कोई सबूत नहीं मिला। फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य प्रमाणों की कमी के चलते पुलिस ने कहा कि ये आरोप झूठे हैं।

त्योहारी सीजन में एसटी निगम का बड़ा फैसला, दिवाली पर सीधे टिकट होंगे 10 प्रतिशत महंगे; आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

इस समय त्योहारों का मौसम है। दिवाली नजदीक आ रही है। इसलिए, मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों में काम और नौकरी के लिए आने वाले नौकर दिवाली मनाने के लिए अपने-अपने गाँव जाते हैं। दिवाली के दौरान छोटे बच्चों के स्कूल भी बंद रहते हैं। इसलिए, कुछ परिवार इस दौरान घूमने जाने की योजना भी बनाते हैं। इसी बीच, अब इस त्योहारी सीजन में एसटी निगम ने एक बड़ा फैसला लिया है। निगम के इस फैसले से अब एसटी से यात्रा करना महंगा हो जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसटी निगम ने किराया बढ़ाने का फैसला किया है। दिवाली के मौके पर 10 प्रतिशत किराया वृद्धि का फैसला लिया गया है। यह किराया 15 अक्टूबर से 5 नवंबर तक की अवधि के लिए लागू होगा। लिए

गए फैसले के अनुसार, यह किराया वृद्धि निगम की सभी बसों पर लागू नहीं होगी। किराया वृद्धि शिवनेरी और शिवाई बसों के अलावा अन्य बसों के लिए लागू की गई है। इसलिए, अगर यात्री त्योहारी सीज़न में यात्रा करना चाहते हैं, तो उन्हें टिकट के लिए ज़्यादा पैसे देने होंगे।

यात्रियों की संख्या में वृद्धि, राजस्व बढ़ाने का निर्णय

दिवाली एसटी निगम के लिए एक बड़ी परीक्षा है। क्योंकि इस दौरान राज्य भर से श्रमिक अपने-अपने गाँव जाते हैं। छुट्टी का दिन होने के कारण, बस स्टैंडों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा सकती है। लोग बस में चढ़ने के लिए उमड़ पड़ते हैं। इस दौरान, एसटी निगम लोगों को उनके इच्छित गंतव्य तक पहुँचाने के लिए पूरी ताकत से काम करता है। इस दौरान, एसटी निगम का राजस्व काफी बढ़ जाता है। इसलिए, यात्रियों की बढ़ती आमद को देखते हुए, एसटी निगम के खजाने में वृद्धि करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर

इस बीच, पिछले कुछ वर्षों से एसटी निगम की वित्तीय स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही है। एसटी कर्मचारियों के वेतन का मुद्दा हमेशा निगम के लिए एक बड़ी समस्या रहा है। ऐसा दावा किया जाता है कि एसटी निगम के कर्मचारी अल्प वेतन पर काम करते हैं। इसलिए, एसटी निगम किराए में वृद्धि करके राजस्व बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, इस किराया वृद्धि से आम यात्रियों की जेब पर असर पड़ेगा।

सम्पादकीय

वैश्विक 'सक्रिय क्लब', मार्शल आर्ट से नव-नाजी विचारधारा फैलाने वाले युवा, अमेरिका-यूरोप से कनाडा तक बढ़ते खतरनाक आंदोलन

अमेरिका और विदेशों में ऐसे 'सक्रिय क्लब' बढ़ रहे हैं जो 'मार्शल आर्ट' का इस्तेमाल करके दक्षिणपंथी, फासीवादी विचारधाराओं का प्रचार करते हैं। जून में कनाडा के लंदन में सिटी हाल के सामने एक टेलीग्राम वीडियो में काले मास्क और धूप का चश्मा पहने एक दर्जन से अधिक लोग दिखाई दिए थे। ये किसी भी खुले स्रोत जांचकर्ता को आसानी से उनकी पहचान करने से रोक रहे थे।

ये लोग 'अब सामूहिक निर्वासन' का नारा एक स्वर में लगा रहे थे। उनके हाथों में नारे लिखे हुए थे, 'इजराइल का खून नहीं'। जबकि नकाबपोश पुरुषों द्वारा नारे लगाते हुए इस प्रकार का दृश्य अमेरिका में अपेक्षाकृत सामान्य घटना है। कनाडा में हुई यह घटना एक उभरते वैश्विक आंदोलन के अंधेरे पक्ष को दर्शाती है। सक्रिय 'नव-नाजी क्लब' अमेरिका में जन्मे 'नवफासीवादी फाइट क्लब', तेजी से सीमाओं के पार फैल रहे हैं।

लंदन, ओंटारियो प्रांत में एक जंग खाए बेल्ट में एक बड़ा कनाडाई शहर है, जिसका कू क्लक्स क्लान के साथ एक लंबा इतिहास रहा है। यह संदर्भ 1920 के दशक और 2021 में एक पाकिस्तानी-कनाडाई परिवार की नस्लवादी हत्या का है। एक सक्रिय क्लब का आगमन, जिसने खुद को टोरंटो (देश का सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र) जैसे अन्य आस-पास के शहरों और कस्बों में भी दिखाया है, अपेक्षाकृत नया विकास है। 'हमारे शहर हैमिल्टन में आपका स्वागत है'। उसी कनाडाई सक्रिय क्लब की एक टेलीग्राम पोस्ट में लिखा था, जिसका प्रतीक निशान ओंटारियो के सबसे बड़े शहरों में से एक के साइन बोर्ड के बगल में एक स्टिकर पर लगा था-'लोक-परिवार-भविष्य!'

दुनिया भर में, कनाडा ही एकमात्र ऐसा देश नहीं है जहां इन क्लबों का चलन बढ़ रहा है। ये फिटनेस और मिश्रित मार्शल आर्ट समूह हैं जो स्थानीय जिम और पार्क में संचालित होते हैं और नव-नाजी और फासीवादी विचारधाराओं का समर्थन करते हैं। अमेरिका के कई राज्यों में पहले से ही फैल रहे ये सक्रिय क्लब खुले तौर पर मर्दवाद के प्रति जुनून से ऐतिहासिक प्रेरणा लेते हैं। यूरोपीय फुटबाल की गुंडागर्दी से ये आधुनिक प्रेरणा लेते हैं।

ग्लोबल प्रोजेक्ट अगेंस्ट हेट एंड एक्सट्रीमिज्म (जीपीएएचई) द्वारा प्रकाशित हालिया शोध से पता चला है कि 2023 से ये क्लब स्वीडन, कनाडा, आस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, यूके, फिनलैंड में नए सिरे से उभर रहे हैं। पहली बार लैटिन अमेरिका में चिली और कोलंबिया में दो अध्याय खुल रहे हैं। जीपीएएचई के शोध के अनुसार, अब 27 देशों में इसकी शाखाएं हैं, जिनमें नई युवा शाखाएं हैं। ये हिटलर युवा शैली के क्लबों के समान हैं जो अमेरिका और विदेशों में फैल रही हैं। ये तेजी से पश्चिमी देशों में फैल रही हैं और युवा पुरुषों को नस्ल युद्ध को बढ़ावा देने वाली जहरीली, अति-दक्षिणपंथी विचारधाराओं में भर्ती कर रही हैं।

जीपीएएचई के संस्थापक हेइडी बेरिच ने कहा कि एक्टिव क्लब माडल को राब रुंडो द्वारा डिजाइन किया गया था। उन्होंने एक कुख्यात नव-नाजी और न्यूयार्कर का जिक्र किया, जिसे 2024 में कैलिफोर्निया में 2017 की राजनीतिक रैलियों में दंगा करने की साजिश के लिए दोषी ठहराया गया। उस समय के आसपास, रुंडो ऐसे अभियान का नेता भी था जो एक नव-नाजी गिरोह था, जिसके चार सदस्यों पर 2017 में वर्जीनिया के चार्लोट्सविले में 'यूनाइट द राइट रैली' में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाए गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने फासीवादी विचारधारा और भर्ती के नए केंद्र के रूप में अनुयायियों के बीच सक्रिय क्लबों के विचार को फैलाने का काम शुरू कर दिया।

बेरिच ने कहा कि जहां तक हम जानते हैं, रुंडो व्यवस्थित तरीके से आंदोलन के अध्यायों से सीधे तौर पर जुड़े नहीं हैं, लेकिन इस तरह के अध्याय उनसे और उनकी विचारधारा से प्रेरित हैं। बेइरिच ने बताया कि हालांकि रुंडो का इन समूहों में हाथ होने की संभावना नहीं है, लेकिन यह उनके सक्रिय क्लबों के स्वायत्त और स्थानीय होने के मूल दृष्टिकोण से मेल खाता है। लेकिन श्वेत लोगों की बड़ी आबादी वाले देशों में सक्रिय क्लबों की कई शाखाएं जिनमें से कुछ ने हाल के वर्षों में खुले तौर पर नस्लवाद और देशभक्ति की ओर रुख किया है। एक-दूसरे को वैश्विक संघर्ष के रूप में प्रचारित करती हैं और टेलीग्राम एप पर खातों के एक नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। विशेष रूप से खातों का एक समूह, जो आनलाइन नव-नाजियों के बीच एक प्रकार से रुझान निमार्ता बन गया है, ने दुनिया भर में कई स्थानीय सक्रिय क्लब अध्यायों को बढ़ावा दिया है।

हर तरफ जाम, हर सांस में धुआं, क्या भारत शहरों में सफर आसान बनाने के लिए जर्मनी-सिंगापुर मॉडल अपनाएगा?

दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहर यातायात जाम की चपेट में हैं। बंगलुरु जैसे शहर में तो यातायात को सुचारु बनाने के लिए अधिकांश सड़कों पर एक दिशा में ही वाहनों को चलाने की अनुमति दी गई है। दिल्ली हो या आगरा, लखनऊ हो या चेन्नई, न सिर्फ महानगरों, बल्कि शहरों में भी जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। जाम में फंसने से लोगों की उत्पादकता पर तो असर पड़ता ही है, साथ ही प्रदूषण जैसी समस्याएं भी पैदा होती हैं। उत्तर भारत में तो सर्दियां आते ही प्रदूषण की स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि पुरानी गाड़ियों के चलाने पर रोक तक लगा दी जाती है। प्रदूषण और जाम का सबसे बड़ा कारण है निजी वाहनों की अनियंत्रित होती संख्या। हालांकि सरकार की नीति हमेशा से यही रही है कि सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। हालात यह है कि सरकार सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल पर जोर देती है, लेकिन उसकी नीतियां ऐसी हैं कि निजी वाहनों को बढ़ावा मिलता है।

अगर विशेषज्ञों की मानें, तो दिल्ली जैसे शहर में ही 57 फीसद से अधिक लोग निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं, जबकि कायदे से होना यह चाहिए कि शहर के कम से कम 70 से 80 फीसद लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। पंद्रह साल पहले चीन के बेजिंग शहर की भी लगभग वही स्थिति थी, जो अमूमन सर्दियों में दिल्ली और एनसीआर के शहरों की होती है। मगर बेजिंग में जब सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने समेत कुछ ठोस कदम उठाए गए, तो 2013 से हालात बदलने शुरू हुए और 2020 आते-आते स्थिति पूरी तरह काबू में आ गई।

दरअसल, निजी गाड़ियों की बढ़ती संख्या से समस्या जटिल हो रही है। दिल्ली में ही औसतन रोजाना 1800 से 2000 नए वाहन सड़कों पर आ जाते हैं। यही हाल दूसरे शहरों का भी है। शहरों में तो हालात ऐसे हैं कि लोगों के लिए दुपहिया रखना जरूरी हो जाता है, क्योंकि वहां सार्वजनिक परिवहन के नाम पर आटो ही चलते हैं। ऐसे में जितनी तेजी से निजी वाहन बढ़ती हैं, उतनी रफ्तार से सड़कें नहीं बढ़ रहीं। नतीजा, यातायात जाम से वक्त और ईंधन की बर्बादी तो होती ही है, साथ ही प्रदूषण की समस्या भी खड़ी हो जाती है। हालांकि वर्ष 2014 के बाद मेट्रो का विस्तार तेजी से हुआ है। दिल्ली, बंगलुरु, चेन्नई और मुंबई के अलावा लखनऊ, जयपुर और गोरखपुर जैसे शहरों में भी मेट्रो दौड़ने लगी है। फिर भी इन शहरों में सार्वजनिक परिवहन की स्थिति को आदर्श नहीं कहा जा सकता। तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में तो फिर भी तिपहिया या उसी तरह के साधनों से काम चल जाता है, लेकिन बड़े महानगरों और विकसित शहरों में हालात खराब हैं।

सभी सरकारें तर्क देती हैं कि वे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना चाहती हैं और इस दिशा में काम भी कर रही हैं। कुछ सरकारें अपने राज्यों के शहरों में मेट्रो और आधुनिक बसें चलाती भी हैं। मगर क्या हर शहर में मेट्रो की इतनी लाइनें बिछ रही हैं कि पूरे शहर को आने-जाने का साधन मिल जाए या फिर इन शहरों में पर्याप्त बसें चल रही हैं? दूसरी बात ये कि क्या मेट्रो या बसें चलाने से ही सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा? अगर सरकारें वाकई गंभीर हैं, तो उन्हें दूसरे देशों के माडल को समझ कर अमल करना होगा। इसके लिए उसे सार्वजनिक वाहनों पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है। उदाहरण के तौर पर देखें, तो दिल्ली समेत कुछ शहरों में मेट्रो चला दी गई है। कुछ शहरों में मेट्रो का निर्माण चल रहा है। लेकिन क्या मेट्रो का किराया इतना है कि वह निजी गाड़ी से सस्ता हो। अभी स्थिति यह है कि दिल्ली जैसे शहर में मेट्रो शुरू होने के तेईस वर्ष बाद भी मेट्रो और बस का किराया एक नहीं है। कार्ड भले ही एक चले, लेकिन दोनों के लिए अलग-अलग किराया देना होता है।

आम लोगों के लिहाज से ज्यादा किराया किसी भी सार्वजनिक परिवहन की परिकल्पना को अधूरा बनाता है। जर्मनी जैसे देश को देखा जा सकता है। यहां अट्ठावन यूरो का अगर पास लिया जाता है, तो सिर्फ किसी एक शहर नहीं, बल्कि पूरे देश में किसी भी मेट्रो, बस, ट्राम और यहां तक कि लोकल ट्रेन में भी सफर किया जा सकता है। यानी एक बार यात्री ने एक महीने का पैसा दिया, तो वह पूरे देश में तेज रफ्तार ट्रेनों के अलावा सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल कर सकता है। वहां सार्वजनिक परिवहन पर निवेश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मेट्रो, बस और ट्राम आदि के निर्माण पर तो वहां के स्थानीय निकाय पैसा लगाते ही हैं, साथ ही सरकारें डेढ़-डेढ़ अरब यूरो की सबसिडी भी देती हैं।

जर्मनी में इसी साल इसे और बढ़ाने की योजना है। वहीं भारत में केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर मेट्रो निर्माण के लिए पचास फीसद तक राशि देती हैं। निर्माण के वक्त ही मेट्रो कंपनियों को चालीस फीसद या उससे अधिक कर्ज लेकर काम करना पड़ता है। ऐसे में मेट्रो का किराया सस्ता नहीं रह जाता। बड़ी बात यह है कि भारत में मेट्रो जैसी परियोजना को बुनियादी ढांचा परियोजना माना जाता है, जबकि जर्मनी में इसे सार्वजनिक सेवा परियोजना के तौर पर लिया जाता है। लगभग यही स्थिति सिंगापुर की है। इसी वजह से वहां सार्वजनिक परिवहन में सफर करने वालों की संख्या 70 से 80 फीसद तक होती है।

भारत में भी केंद्र और राज्य सरकारें सार्वजनिक परिवहन के मामले में निवेश का ढांचा खड़ा करती हैं। कायदे से सरकार को सबसे पहले मेट्रो के साथ ही ये इंतजाम करने चाहिए कि बसें भी उसी तरह समय पर चलें, जैसे मेट्रो चलती है। सड़क पर ऐसी व्यवस्था हो कि बसों को प्राथमिकता मिले ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि मेट्रो की तरह बसें भी यात्रियों को तय समय-सीमा में उनकी मंजिल तक पहुंचाएंगी। इसके लिए सरकार को हर शहर में सड़कों पर 'लेन सिस्टम' प्रभावी करना होगा और अतिक्रमण हटाना होगा। अगर सरकारें वोट बैंक का लालच छोड़ दें, तो कई छोटे शहरों में मेट्रो की बजाय बेहतरीन बस व्यवस्था बना कर वे लोगों को मेट्रो जैसी सहूलियत दे सकती हैं। बसों और मेट्रो का किराया कम और गरीब तबकों की भी पहुंच में रखना चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन पर बड़ा निवेश होगा, तो इसका बड़ा लाभ भी होगा। एक अनुमान के मुताबिक, यातायात जाम में फंसने की वजह से ही सालाना एक लाख करोड़ रुपए की उत्पादकता की हानि होती है। इसी तरह से अगर सार्वजनिक परिवहन बेहतर होगा, तो निजी वाहनों की संख्या कम होगी। इससे सड़कों पर बोझ कम होगा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए खर्च होने वाली मोटी रकम बचेगी। सड़क हादसे कम होंगे। उससे होने वाले नुकसान में कमी होगी। इसके अलावा आबोहवा सुधरेगी, तो बीमारियों की वजह से पड़ने वाला बोझ भी कम होगा। ये तभी संभव है, जब न सिर्फ केंद्र बल्कि राज्य सरकारें भी इस मामले में एकजुट हों और मेट्रो तथा बसों को लोक सेवा के रूप में देखें।

सिर्फ मन का एक वादाष्ठ और मोबाइल की लत से मिली आजादी, जहां वक्त भी अपना और रिश्ते भी मजबूत

हम जानते हैं कि जिस तरह एक शिक्षक, एक इंजीनियर, एक चिकित्सक को अपने पेशेवर जीवन को लगातार अद्यतन करते रहने की जरूरत होती है। ठीक इसी तरह हम सभी को अपने काम ही नहीं, बल्कि अपने जीवन को भी देखते और तौलते रहने की जरूरत होती है। अभी कुछ दिनों पहले एक परिचित का कहना था कि उनका बेटा स्मार्टफोन के बिना खाना तक नहीं खाता। ऐसे में मां उसे फोन पकड़ा कर इस परेशानी से छुटकारा पाती हैं। उन्हें उसकी जिद के आगे और कोई रास्ता ही नहीं सूझता। जब तक बच्चे को फोन नहीं मिलता, वह जिद करता है, जमीन में लोटने लगता और रोने लगता है। हालत यह है कि उसे सुबह उठते ही फोन चाहिए। उस बच्चे को फोन की आदत छुड़वाने के लिए उसे समझाया गया, उसके साथ सख्ती भी बरती गई, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

सवाल है कि बच्चे की इस मुश्किल का स्रोत क्या था। घरों में आमतौर पर यह देखा जा सकता है कि मां या पिता जब भी खाली होते हैं, बस तुरंत अपना मोबाइल उठा कर देखने में मशगूल हो जाते हैं। एक काम से दूसरे काम के अंतराल के बीच दिन में कई बार वे फोन पर घंटों व्यस्त रहते हैं। देर रात में तो ईमेल, रील और सोशल मीडिया देखते हुए कब घंटे गुजर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। ऐसे लोगों के लिए समय काटने का सबसे अच्छा साधन फोन है। बहुत से मोबाइल उपभोक्ता जानते हैं कि स्क्रीन पर लगातार देखते रहने से उनकी आंखों की रोशनी पर असर पड़ता है। मोबाइल की आवाज से दूसरों को शोर महसूस होता है। कान में ईयरफोन लगाकर सुनने से श्रवण क्रिया बाधित हो सकती है।

लगातार रील देखते रहने से हमारे शरीर में डोपामाइन का स्तर तेजी से बदलने लगता है, जिससे शरीर के हार्मोन पर प्रभाव पड़ता है और यह शरीर के लिए हानिकारक है। चिकित्सकों के अनुसार लगातार फोन का इस्तेमाल करने से आंखों में जलन, सिरदर्द, नींद की कमी और तनाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। स्मार्टफोन की लत बच्चों में शारीरिक, मानसिक उथल-पुथल और भावनाओं को प्रभावित करती है। बच्चों का हमउम्र बच्चों के साथ खेलना, परिवारजनों का आपसी संवाद कम होना भी इसका एक बड़ा कारण बनता जा रहा है।

केवल घर-परिवारों में ही नहीं, अब सड़कों पर मोटरसाइकिल

चलाते हुए लोग भी मोबाइल पर बात करते मिल जाएंगे। यह नियमों के विरुद्ध है, लेकिन कहां-कहां और किस तरह से लोगों को रोका जा सकता है? सार्वजनिक परिवहन के रूप में बस में यात्रा करते हुए आसपास से मोबाइलों पर रील, फिल्म या गाने चल रहे होते हैं। कई बार उन सबकी आवाज इतनी गड्डमड्ड हो रही होती है कि ठीक से किसी एक मोबाइल की आवाज को सुना नहीं जा सकता। यह एक तरह की असभ्यता है, क्योंकि ज्यादा संभावना यह है कि किसी अन्य व्यक्ति के तेज स्वर में स्मार्टफोन बजाने से किसी को बहुत परेशानी हो रही हो।

इसके अलावा, अगर हम आम लोगों की बात करें तो हमने अपने को व्यस्त रखना, हो-हल्ले के बीच जीना चुन लिया है, तो ऐसे में हमारे जीवन से सजगता धीरे-धीरे क्यों इतनी दूर होती जा रही है कि हम बिना किसी सजगता के बस कुछ भी किए जा रहे होते हैं।

इसी तरह कई बार सामान्य बातचीत में लगातार अभद्र बातों और अपशब्दों का प्रयोग करना हमारी आदत का कब हिस्सा बन जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। जब घर में बच्चे हमारी भाषा सुनते हैं तो वे भी अनायास ही उनका प्रयोग करने लगते हैं। ऐसे में हम बड़े अगर बच्चों को टोकते हैं तो वे सामने तो रुक जाते हैं, लेकिन पीछे से उन आदतों को अपना लेते हैं और फिर वे उनकी भाषा या कृत्य उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं। इसी तरह किसी भी प्रकार का नशा, कुछ भी चबाते रहने की या अन्य कोई भी आदत हो सकती है। अगर हम चाहते हैं कि बच्चों में इस तरह की आदतें या कमियां नहीं रहें तो पहले हमें आहिस्ता-आहिस्ता अपने पर काम करना होगा। हम छोटे-छोटे स्वयं से संकल्प कर सकते हैं। जैसे हर रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक मोबाइल को नहीं छूना। हां, कोई फोन आए तो फोन उठाएंगे, लेकिन स्वयं फोन या किसी प्रकार की सामग्री को नहीं देखना है। धीरे-धीरे हम खुद महसूस करने लगेंगे कि यह कितना आसान था, लेकिन संकल्प नहीं किया था तो बस चल रहा था और लग रहा था कि यह आदत हमसे छूट ही नहीं सकेगी। हम पाएंगे कि अपनी किसी बुरी आदत पर काम करने से हमें कितनी राहत मिली है। हमें लगने लगता है कि पिछले दिनों हमने कितना समय, ऊर्जा और रचनात्मकता इसके पीछे नष्ट कर दी। कहते हैं कि 'कोई किसी को रोक तो सकता है, लेकिन सुधार इंसान अपने में स्वयं ही करता है।' स्वयं से प्रण करना हमें भटकाव से रोकता है और सही दिशा में जाने के लिए प्रेरित करता है। हम देखेंगे कि हमारी इस आदत का परिवारजनों पर भी प्रभाव पड़ने लगा है और परिवार एक बुरी आदत से छुटकारा पाकर आगे निकलने लगता है। हमारे जीवन में बहुत सारी चीजें एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। जब एक आदत में सुधार होने लगता है तो दूसरी अन्य चीजें अपने आप सुधरने लगती हैं और एक सकारात्मकता और रचनात्मकता का संचार होने लगता है।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

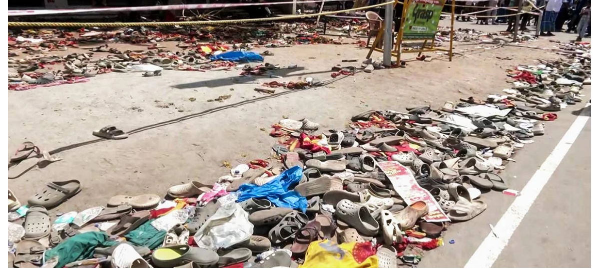

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है।

आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

मंत्री नन्दी ने शक्ति स्वरूपा कन्याओं का सपरिवार किया पूजन
परात में पखारे पांव, चरण स्पर्श कर लिया आशीर्वाद
बेटियां देश व समाज की सुख, समृद्धि और तरक्की का आधार हैं-नन्दी

प्रयागराज। शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी एवं प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने अपने बहादुरगंज स्थित आवास पर आदि शक्ति मां दुर्गा का नौ दिनों का अखंड व्रत संकल्प पूरा कर सपरिवार मां दुर्गा की स्तुति के साथ ही हवन-पूजन किया। शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन करते हुए उनके पांव पखारे और भोजन प्रसाद खिलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंत्री नंदी और पूर्व महापौर ने पीतल के परात में लोटे के जल से कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे। उनके पैरों में रंग लगाया। वहीं माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत का तिलक लगाकर व चुनरी ओढ़ाकर उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती उतरी वहीं अपने हाथों से भोजन परोसा। मां भगवती के शाश्वत स्वरूप की उपासना की। वहीं लोक कल्याण एवं सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना की।

मंत्री नन्दी ने कहा कि सनातन हिन्दू धर्म में कुमारी कन्याओं का पूजन एवं सत्कार आदि शक्ति मां भगवती दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों का पूजन है। माँ दुर्गा की असीम शक्ति और उनकी कृपा दृष्टि से संसार के प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, यही कामना है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि बेटियां

सुख, समृद्धि और प्रगति का आधार हैं। इनकी पूजा सर्वोत्तम पूजा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि नवरात्रि आदिशक्ति की आराधना का पर्व है, जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं। नवरात्रि इन्हीं जगत जननी को समर्पित है और भारतीय संस्कृति में कुमारी कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा माना गया है। मंत्री नन्दी ने कहा कि आज के समय में बेटियां किसी भी मायने और किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं है। हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इसलिए आज के समय में बेटियों को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जिसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्री नन्दी ने कहा कि किसी भी देश, राज्य या समाज के लिए नारी सशक्तिकरण बहुत ही आवश्यक है।

दशहरे का मेला शुभ संपन्न होने की मंगल कामना की गई

नवरात्रि अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व : रीता बहुगुणा जोशी

प्रयागराज। केदारनाथ की थीम पर बना आर्य नगर मुट्ठीगंज दुर्गा पूजा पंडाल में महानवमी के अवसर महापौर पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी मां दुर्गा की आरती किया इस अवसर उन्होंने ने कहा कि मातृशक्ति का प्रतीक नवरात्रि का पर्व अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व है। इस अवसर मां दुर्गा से दशहरे का मेला शुभ संपन्न होने की कामना की। कमेटी के अध्यक्ष शत्रुघ्न जायसवाल ने स्वागत किया इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी नीरज केसरवानी, अजय अग्रहरि प्रमोद मोदी, अतुल जायसवाल गौतम जायसवाल, मंथन जायसवाल, कुणाल आदि कमेटी के लोग उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय अनुकृति डांडिया महोत्सव कल से

प्रयागराज। ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप का कॉलेज की प्रस्तुति पर मिंट इवेंट्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय डांडिया उत्सव का आयोजन तीन चार पांच अक्टूबर को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किया जा रहा है. आयोजक प्रियवंदां कुमार ने बताया कि पिछले 6 वर्षों से लगातार मिनट्स इवेन्ट्स प्रयागराज शहर में एक बढ़िया डांडिया करने के लिए जाना जाता है जिसमें परिवार के साथ सभी लोग सम्मिलित होते हैं.

यहाँ आपके लिए प्रेस रिलीज़ का ड्राफ्ट प्रस्तुत है

संजय कुदेसिया के सेवानिवृत्त होने के बाद पी. के. सिंह बने इकाई प्रमुख

प्रयागराज। इफको फुलपुर इकाई में आज एक महत्वपूर्ण अवसर पर पी. के. सिंह ने इकाई प्रमुख का कार्यभार संजय कुदेसिया से ग्रहण किया। कुदेसिया के सेवानिवृत्त होने के उपरांत यह दायित्व सिंह को सौंपा गया।

पी. के. सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद के निवासी हैं। उन्होंने 1990 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा 1992 में थर्मल इंजीनियरिंग में परास्नातक की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1995 में उन्होंने इफको फुलपुर इकाई में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के रूप में अपनी सेवाएँ प्रारम्भ कीं।

अपने कार्यकाल के दौरान सिंह ने फुलपुर- द्वितीय विस्तार परियोजना, ई.एस.पी. एवं क्षमता वृद्धि परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उन्हें ओमान इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त हुआ।

कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वे इफको फुलपुर इकाई के रखरखाव विभाग का नेतृत्व कर रहे थे। मैकेनिकल मेंटेनेंस के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए उन्होंने संगठन को सशक्त योगदान दिया है।

सिंह अपनी ईमानदारी, सहज व्यक्तित्व और उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता के लिए जाने जाते हैं। कर्मचारियों में उनकी सर्वमान्य स्वीकार्यता उन्हें अपने कर्तव्यों के सफल निर्वहन में सहयोग करती है। इफको परिवार को पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में फुलपुर इकाई निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगी।

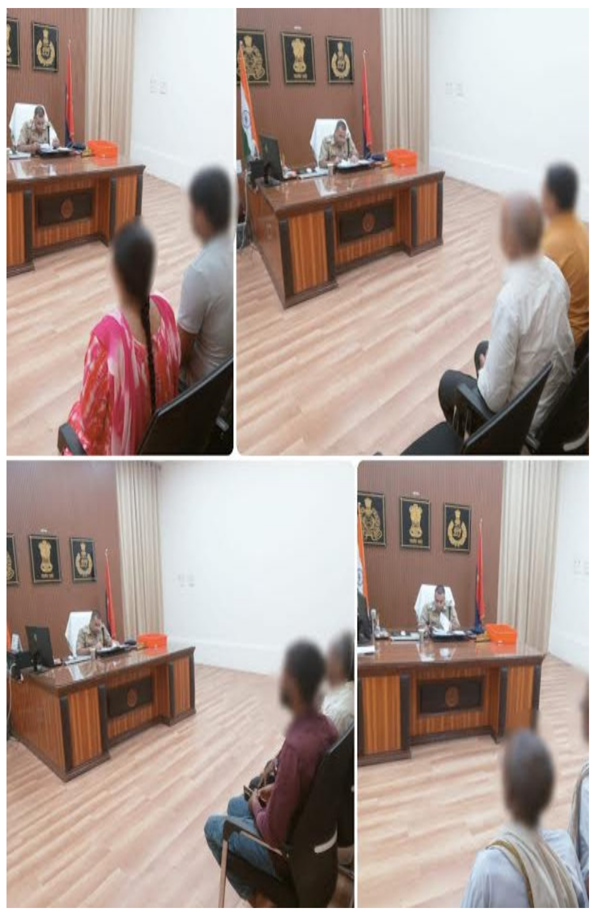

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

मेजा ऊर्जा निगम को ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव 2025 में सिल्वर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम ने ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव 2025 में, जिसका आयोजन पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) द्वारा किया गया था, कम्यूनिटी पीआर कार्यक्रम (लाइव या वर्चुअल) श्रेणी में सिल्वर अवॉर्ड प्राप्त कर संस्था का गौरव बढ़ाया। यह पुरस्कार मेजा ऊर्जा निगम की ओर से अजय सिंह, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा गोवा में आयोजित समारोह में प्राप्त किया गया, जिसमें कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिनमें गणेश गांवकर, माननीय अध्यक्ष, गोवा विधान सभा शामिल थे। दिनांक 01 अक्टूबर, 2025 को यह पुरस्कार औपचारिक रूप से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अशोष कुमार चट्टोपाध्याय को मेजा स्थित निगम कार्यालय में विवेक चंद्रा, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन) एवं अजय सिंह, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा सौंपा गया। यह उपलब्धि मेजा ऊर्जा निगम की समुदाय से सार्थक जुड़ाव को सुदृढ़ बनाने और लोक-संपर्क क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आरएएफ 91 बटालियन में मां भगवती की पूजा, भंडारे में उमड़ी भीड़

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला स्थित आरएएफ 91 बटालियन परिसर में नवरात्रि की नवमी पर बुधवार को धार्मिक अनुष्ठान एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कमांडेंट जितेंद्र कुमार ओझा के निर्देशन में डी कंपनी परिसर में मां भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धाभाव से आरती उतारी गई। पूजन-अर्चना के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।इस मौके पर उप कमांडेंट प्रमोद सिरसत, सहायक कमांडेंट विवेक सिंह, निरीक्षक अमित कुमार दुबे समेत कंपनी के तमाम जवानों, महिलाओं और परिवारजनों की उपस्थिति रही।

प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दायर किया

वाराणसी। वेल्डिंग उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में पाउडर और वायर दोनों श्रेणियों में सबसे तेज़ी से बढ़ते निर्माताओं में से एक, प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 27, 900, 000 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनमें 22, 500, 000 इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और 5, 400, 000 इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव शामिल है।

बिक्री के लिए प्रस्ताव में अरविंद छोटेलाल मोरजारिया द्वारा कुल 2, 170, 800 इक्विटी शेयर, दिलीप छोटेलाल मोरजारिया द्वारा 1, 740, 030 इक्विटी शेयर, सुभाष छोटेलाल मोरजारिया द्वारा 1, 078, 770 इक्विटी शेयर, ललित नवीनचंद्र मोरजारिया द्वारा 341, 895 इक्विटी शेयर और निर्मला नवीनचंद्र मोरजारिया द्वारा 68, 505 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से विक्रेता शेयरधारक के रूप में जाना जाता है।

बीआरएलएम के परामर्श से, प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड अपनी आरएचपी दाखिल करने से पहले 30 करोड़ रुपये तक के प्री-आईपीओ पर विचार कर सकता है। यदि ऐसा किया जाता है, तो जुटाई गई राशि नए निर्गम से कम हो जाएगी।

कंपनी अपनी शुद्ध आय का उपयोग महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खालापुर स्थित होनाद गाँव में एक नई वायर निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए आवश्यक पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण हेतु और कुछ मौजूदा उत्पादों की निर्माण क्षमता बढ़ाकर, गुट संख्या 33 और 39, मौजे आबजे (वैतरणा नगर), वाडा, पालघर, महाराष्ट्र में स्थित वाडा इकाई में मौजूदा निर्माण सुविधा के विस्तार हेतु आवश्यक पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण हेतु करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, इस राशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी किया जाएगा।

प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड उन कुछ कंपनियों में से एक है जो वेल्डिंग उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में पाउडर और वायर दोनों श्रेणियों में काम करती हैं। उनके उत्पाद पोर्टफोलियो में फेरो एलॉय, धातु, रासायनिक और खनिज पाउडर के साथ-साथ कम और गैर-मिश्र धातु, स्टेनलेस स्टील और निकल-आधारित मिश्र धातु के तार शामिल हैं। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियर अपने प्रतिस्पर्धियों के बीच धातु, फेरो एलॉय, रासायनिक और खनिज-आधारित पाउडर की सबसे विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान, घरेलू वेल्डिंग कच्चे माल और उपभोग्य सामग्रियों के उद्योग में उत्पन्न धातु और फेरो एलॉय पाउडर की कुल मांग में उनका योगदान लगभग 8इ (4.9 केटीपीए) था।

नवरात्रि पर कन्याओं का पूजन, भंडारे में उमड़ी भीड़

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र स्थित संयुक्त चिकित्सालय परिसर में नवमी के अवसर पर कन्या पूजन व भंडारे का आयोजन किया गया। डीआईजी मेडिकल डॉ. विनय अग्रवाल ने विधि-विधान से नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन व उपहार प्रदान कर सम्मानित किया।कन्या पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा।

कार्यक्रम में डॉ. बी.सी. यादव, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. विपुल कुमार, डॉ. गणेश दूंनर समेत चिकित्सालय के अन्य कर्मी, सीआरपीएफ जवान और महिलाओं की सक्रिय मौजूदगी रही।

आरेडिका में स्वच्छता अभियान 5.0 के द्वितीय चरण की शुरूआत

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दिनांक 01.10.2025 को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने स्वच्छ भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रथम चरण में किये गये कार्यों की समीक्षा की एवं स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण (02.10.2025 से 31.10.2025 तक) के लिए स्वच्छता में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

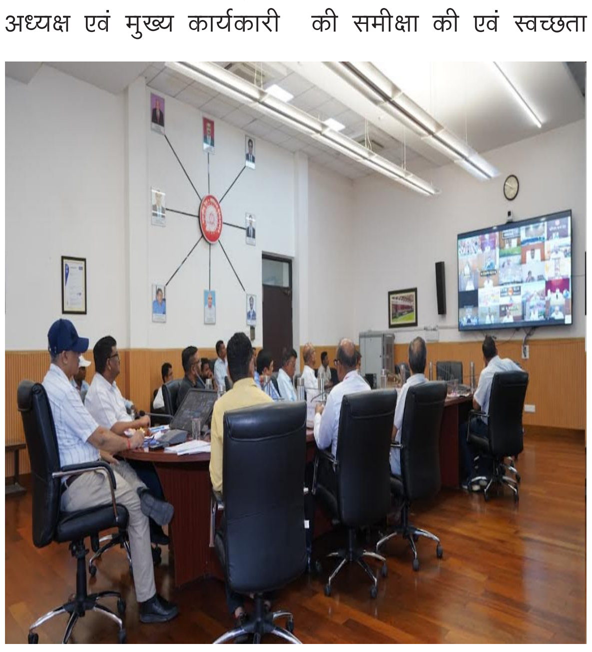

इस अवसर पर आरेडिका के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य स्थल पर स्वच्छता की शपथ ली, कि हम साल में 100 घण्टे स्वच्छता के लिए श्रमदान करेंगे, हम न तो गन्दगी करेगें और न ही गन्दगी करने देंगें

इस वीडियो कॉफ्रेंस में आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीसीई सत्य प्रकाश यादव, सीएओ रवीश कुमार, पीसीईई मनोज कुमार जिंदल पीएफए बीएल मीना, पीसीएमओ डा0 आभा जैन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, डिप्टी सीपीओ एके मिश्रा, एसपीओ नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

224 वीआईपी बटालियन में धूमधाम से हुई मां भगवती की पूजा-अर्चना

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र स्थित 224 वीआईपी बटालियन के कमांडेंट योगेश पुरोहित के कुशल निर्देशन में नवरात्रि के नवें दिन मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी अशोक कुमार एवं द्वितीय कमान अधिकारी तरुण कुमार ने संयुक्त रूप से मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर आरती उतारी।

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं व जवानों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। इस मौके पर एस एम कन्हैया लाल सहित तमाम जवानों व उनके परिजनों ने मां भगवती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर आशीर्वाद लिया।इस अवसर पर बटालियन के उप कमांडेंट धनंजय यादव अन्य अधिकारी, जवान, उनके परिजन एवं स्थानीय श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने कहा कि मां भगवती की आराधना से शक्ति और आस्था दोनों की प्राप्ति होती है।

आरेडिका में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । यह आयोजन आरेडिका चिकित्सालय एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली के सहयोग से संपन्न हुआ । शिविर का उद्देश्य रक्त की कमी से जूझ रहे रोगियों की मदद करना, आम जनमानस में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करना था ।

शिविर का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे हुआ, जो दोपहर 1:00 बजे तक चला । रक्तदान के लिए कुल 42 कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया । प्रत्येक इच्छुक रक्तदाता की स्वास्थ्य जांच - जिसमें रक्तचाप, हीमोग्लोबिन स्तर और अन्य आवश्यक परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा की गई । जांच उपरांत 21 कर्मचारी, जिनमें आरेडिका चिकित्सालय के 03 चिकित्साधिकारी भी सम्मिलित हैं ने रक्तदान किया ।

स्वेच्छा से रक्तदान कर सभी ने ''रक्तदान महादान'' की भावना को साकार करते हुए समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया । कार्यक्रम के समापन पर सभी रक्तदाताओं को एम्स चिकित्सालय द्वारा ब्लड डोनेशन हेतु 'सर्टिफिकेट फार एप्रिसियेशन' देकर उनका आभार व्यक्त किया।

अवैध हथियार और नकली नोटों के साथ दो युवक गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए दो युवकों को अवैध हथियार और नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से पिस्टल, जिंदा कारतूस, 500 रुपये के नोटों के 48 बंडल और एक इको स्पोर्ट कार समेत करीब 6.33 लाख रुपये का माल जब्त किया है।मिली जानकारी के मुताबिक, 29 सितंबर को वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे को सूचना मिली थी कि कुछ युवक कार में नकली नोटों की अदला-बदली करने के लिए भिवंडी के मिल्लतनगर इलाके में आने वाले हैं और उनके पास हथियार भी हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मिल्लतनगर स्थित फरहान हॉल रोड, ममता हॉस्पिटल के पास, चाविंद्रा रोड पर जाल बिछाया और आरोपियों को धर दबोचा।गिरफ्तार आरोपियों

की पहचान नाशिक निवासी शिवानंद ज्ञानेश्वर कोली (24) और राहुल रामदास शेजवल (24) के रूप में हुई है। तलाशी में पुलिस को एक माउजर पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, नकली नोटों के 48 बंडल और कार बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी इन नकली नोटों को असली बताकर लोगों को ठगने की फिराक में थे। इस मामले में निजामपुरा पुलिस स्टेशन, भिवंडी में अपराध क्रमांक 877/2025 के तहत शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 3, 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1), 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र पाटील कर रहे हैं।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के नकली नोट बदलने के झांसे में न आएं और ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (गुन्हे) अमरसिंह जाधव, सहायक पुलिस आयुक्त (गुन्हे शोध-1) शेखर बागडे के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे और उनकी टीम ने की। कार्रवाई में उपनिरीक्षक श्रीराज माली, मिथुन भोईर, रविंद्र बी. पाटील, रामचंद्र जाधव, सुधाकर चौधरी, सुनिल सालुंके, निलेश बोरसे, प्रशांत राणे, प्रकाश पाटील, सुदेश घाग, रंगनाथ पाटील, शशिकांत यादव, किशोर थोरात, माया डोंगरे, अमोल इंगले, भावेश घरत, विजय कुंभार, सर्फराज तडवी और रविंद्र सालुंखे शामिल थे।

भिवंडी में 'नमो युवा रन मैराथन' का आयोजन

1500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, भिवंडी शहर जिला की ओर से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'नमो युवा रन मैराथन' प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
मैराथन की शुरुआत ऊर्जा और जोश से भरे माहौल में हुई। भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले और भाजपा जिला अध्यक्ष रविकांत सावंत ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर युवाओं का हौसला बढ़ाया। युवा मोर्चा अध्यक्ष राजू चौघुले के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ मैराथन में हिस्सा लिया और आयोजन को ऐतिहासिक रूप दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करना और स्वास्थ्य के प्रति

जागरूकता बढ़ाना रहा।विधायक महेश चौघुले ने कहा कि 'नमो युवा रन मैराथन' ने न केवल युवाओं को अपनी क्षमता दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि समाज में सामूहिकता और स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ाई।इस आयोजन को सफल बनाने में श्याम अग्रवाल, श्याम भोईर, मंगेश यादव, एड. हीरालाल कोरे, विकास बाफना सहित भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

झलियाहिया काली मां अब मंदिर में

कई वर्षों बाद तिवारी परिवार ने पूरा कराया मंदिर का निर्माण

समस्त ग्रामीणों ने किया यथासंभव मदद

अयोध्या। लोगों की आस्था और भक्ति का केंद्र रही अयोध्या जिले के ग्राम सभा चितावां अंतर्गत तिलकराम पूरा की ग्राम देवी मां काली अब अपने नए मंदिर में विराजमान हों गई। रविवार से मंगलवार तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में 3 दिनों तक विधि विधान से पूजा पाठ कर मूर्ति प्रतिष्ठापित की गई। उक्त प्राण प्रतिष्ठा स्व. श्री राजदेव तिवारी के पुत्र एडवोकेट देवलशंकर त्रिपाठी (डीएस त्रिपाठी) के मार्गदर्शन आचार्य पं. वेद प्रकाश मिश्र व सहयोग पं. रामचंद्र मिश्र द्वारा कराया गया। इस पुण्य के काम में यथासंभव तिलकराम पूरा के ग्रामीणों सहित आसपास के लोगों ने मदद कर इस धार्मिक अनुष्ठान के गौरवशाली साक्षी बनें। एडवोकेट डीएस त्रिपाठी ने बताया कि मां काली कई सालों से बगीचे में एक ढेरे के पेड़ के नीचे मिट्टी की बनीं उनकी मूर्ति थी। गांव वाले वहीं बगीचे में जाकर पूजा पाठ के साथ कराही देकर अपनी मन्नतें पूरी करते थे। तभी से मां काली झलियाहिया काली मां के नाम से प्रसिद्ध हो गई। त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 23 दिसंबर 2021 को स्व. इंद्रादेवी की स्मृति में उक्त परिसर की साफ-सफाई की गई। तथा एक चबूतरे का निर्माण कराया गया। उसके ऊपर छोटा मंदिर बनवाया गया। मां के आशीर्वाद से नवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ विधिवत पूजा पाठ कराया गया। जिसमें सभी ग्रामवासी शामिल हुए। एडवोकेट त्रिपाठी द्वारा किए गए उक्त धार्मिक अनुष्ठान की चहुंओर प्रसंशा हो रही है। बता दें कि स्व. श्री राजदेव तिवारी शुरू से सामाजिक धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ, फगुआ समेत कई धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते थे। उन्हीं के आशीर्वाद से आज तक ऐसे धार्मिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए मंजू पांडेय, दिनेश तिवारी, विश्वनाथ तिवारी, रमाशंकर तिवारी, विनय तिवारी, अनुराग पांडेय, ?षिकेश तिवारी, ओम प्रकाश तिवारी, अविनाश तिवारी समेत सभी ग्रामवासियों ने सहयोग किया। एडवोकेट डीएस त्रिपाठी ने इस सहयोग के लिए सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

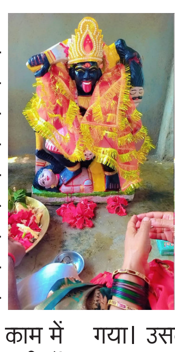

भिवंडी में भाजपा जिला द्वारा आयोजित मुफ्त आरोग्य शिविर में सैकड़ों ने उठाया लाभ

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सेवा पखवाड़ा के तहत भिवंडी भाजपा जिला की ओर से एक भव्य मुफ्त स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पद्मानगर स्थित अखिल पद्मशाली समाज हॉल में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं कपिल पाटिल फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमित पाटिल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।
शिविर में मधुमेह, रक्तचाप, ईसीजी, आंखों की जांच सहित विभिन्न रोगों की जांच की गई। मरीजों को मुफ्त दवाइयां प्रदान की गईं, वहीं जरूरतमंदों को चश्मों का भी वितरण किया गया। खास बात यह रही कि जिन मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया है, उनका ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा।
स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुषों ने भाग लेकर जांच व इलाज का लाभ उठाया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रविकांत सावंत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ममता परमाणी, अनिता गुरव, अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण पोट्टावत्तिनी, भाजपा महासचिव राजू गाजेंगी, प्रवीण मिश्रा, राजेंद्र वासम, मोहन कोंडा, कोंका मल्लेशम, श्याम भोईर, पी.डी. यादव, मंगेश यादव, चंद्रशेखर, उदयराज सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे स्थानीय नागरिकों ने भाजपा द्वारा किए गए इस स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सामाजिक उपक्रम से आम जनता को बड़ी राहत मिलती है।

मध्य रेल पर स्वच्छता पखवाड़ा-2025 का आयोजन

मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल 1 से 15 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है। मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी ने दिनांक 01.10.2025 को ऐतिहासिक महाप्रबंधक भवन, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में, उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर मध्य रेल पर स्वच्छता पखवाड़ा-2025 का शुभारंभ किया।
प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एस.के. सागर, प्रमुख विभागाध्यक्ष, मध्य रेल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्ध रहने और प्रति वर्ष 100 घंटे यानी प्रति सप्ताह दो घंटे स्वेच्छा से स्वच्छता के लिए काम करने, लोगों में जागरूकता उतपन्न करने और स्वयं, परिवार, मोहल्ले, गाँव और कार्यस्थल में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने की शपथ ली।
शपथ से पहले अपने संक्षिप्त संबोधन में, अपर महाप्रबंधक ने सभी से अपने परिसर में प्रभावी ढंग से स्वच्छता गतिविधियाँ करने का आग्रह किया।
स्वच्छता पखवाड़ा-2025, दिनांक 17-09-2025 से शुरू हुए राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान, स्वच्छता ही सेवा-2025 का ही एक हिस्सा है। मध्य रेल द्वारा चलाया जाने वाला यह पाक्षिक स्वच्छता अभियान, स्टेशनों, ट्रेनों, वर्कशॉप, डिपो, रेलवे अस्पतालों, रेलवे कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों और रेलवे से जुड़ी प्रत्येक इकाई की गहन सफाई सहित आंतरिक स्वच्छता अभियानों पर केंद्रित होगा।

कर्नाटक के हासन जिले में संदिग्ध विस्फोट में घायल दंपति की इलाज के दौरान मौत

हासन। हासन जिले के आलूर तालुका में एक संदिग्ध विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए एक दंपति की बेंगलुरु के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।
पुलिस ने बताया कि सुदर्शन (32) और काव्या (28) को बेहतर इलाज के लिए हासन जिले से बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार देर रात उनकी मृत्यु हो गई। यह विस्फोट सोमवार रात हासन जिले के आलूर तालुका स्थित उनके घर पर हुआ था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में यह संदेह जताया गया था कि यह सिलेंडर विस्फोट है लेकिन पुलिस अभी तक विस्फोट के वास्तविक कारण का पता नहीं लगा पाई है। पुलिस के अनुसार, 29 सितंबर को मोहन कुमार की शिकायत के आधार पर आलूर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। यह शिकायत उनके घर में हुए विस्फोट के बाद दी गई थी।
शिकायतकर्ता के अनुसार, सोमवार रात लगभग साढ़े आठ बजे जब वह, उनका बेटा, बहू और पोते-पोतियां घर पर थे तब शौचालय के पास एक धमाका हुआ, जिसमें उनके बेटे और बहू झुलस गए। पुलिस ने बताया कि घर की लॉबी में मौजूद कुमार और उनके पोते-पोतियां सुरक्षित बच गए। अधिकारी ने कहा, हमने जो जांच की है उसके अनुसार, काव्या और सुदर्शन घर के गलियारे वाले क्षेत्र में किसी चीज पर काम कर रहे थे जिसके कारण विस्फोट हुआ। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें संदेह है कि यह हादसा सिलेंडर विस्फोट या किसी अन्य वस्तु के कारण हो सकता है।

महाराष्ट्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले सबसे ज्यादा, हर साल बढ़ रहे आंकड़े

मुंबई(संवाददाता) । साल 2023 में महाराष्ट्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले देश में सबसे ज्यादा दर्ज किए गए. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र में 1,389 मामले सामने आए, जिनमें 1,480 लोगों ने अपनी जान गंवाई.
महाराष्ट्र के बाद मध्यप्रदेश दूसरे नंबर पर है. यहां 1,153 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 1,211 लोगों ने आत्महत्या की. वहीं उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जहां 1,075 मामले और 1,186 पीड़ित दर्ज हुए. रिपोर्ट के मुताबिक, यह आंकड़े बताते हैं कि आत्महत्या को लेकर समस्या केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि कई राज्यों में यह गंभीर मुद्दा बना हुआ है.
एनसीआरबी की रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2023 में महाराष्ट्र में कुल 5,96,103 अपराध के मामले दर्ज किए गए. इनमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और राज्य-विशेष कानून (एसएलएल) के तहत दर्ज अपराध शामिल हैं. कुल मामलों में से 82.2 प्रतिशत मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए गए थे.
उत्तर प्रदेश इस मामले में सबसे ऊपर है, जहां 7,93,020 मामले दर्ज हुए. रिपोर्ट में बताया गया है कि आईपीसी अब भारतीय न्याय संहिता (आईजेसी) में बदल दिया गया है, जबकि एसएलएल में राज्य-विशेष कानून जैसे कि जुआ अधिनियम के तहत अपराधों को शामिल किया गया है.

लगातार बढ़ रहे मामले

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि महाराष्ट्र में अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. 2021 में यहां कुल 5,40,800 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2022 में बढ़कर 5,57,012 हो गए. 2023 में यह आंकड़ा और बढ़कर 5,96,103 तक पहुंच गया. यह दर्शाता है कि अपराध दर में लगातार वृद्धि हो रही है और इसके लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है.
2023 की रिपोर्ट साफ करती है कि महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में आत्महत्या के लिए उकसाने और अन्य अपराधों की संख्या चिंता बढ़ाने वाली है. राज्य और केंद्र सरकार दोनों को मिलकर ऐसे मामलों को रोकने और लोगों की मानसिक स्वास्थ्य सहायता बढ़ाने के लिए कदम उठाने होंगे.

विजय कुमार ने मध्य रेल के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विजय कुमार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के महाप्रबंधक के रूप में 700 लोकोमोटिव के उत्पादन की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।
विजय कुमार ने दिनांक 01.10.2025 को मध्य रेल के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। वे भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा , 1988 बैच के अधिकारी हैं। वे धर्म वीर मीना का स्थान लेंगे, जो 30 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हुए ।
मध्य रेल के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण करने से पहले, विजय कुमार, चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने CLW को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में गतिशील नेतृत्व प्रदान किया। उनके कुशल निर्देशन में, सीएलडब्ल्यू ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विश्वस्तरीय विशेषताओं वाले 700 इंजनों का रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन करके इतिहास रचा ।
चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 777 इंजनों के उत्पादन का एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया गया था, जिसके पूर्तीहेतू सीएलडब्ल्यू द्वारा पहले 6 महीनों में ही 417 इंजन बनाए जा चुके हैं।
अपने 35 वर्षों से अधिक के शानदार करियर के दौरान, उन्होंने भारतीय रेल में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और उत्तर पश्चिम रेलवे, रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे और अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
रेलवे बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने स्पेनिश डिज़ाइन वाली एल्युमीनियम कोच से बनी टैल्गो ट्रेनों के गति परीक्षणों का संचालन किया और स्वर्णिम चतुर्भुज (गोल्डन क्वाड्रिलेटरल) सहित सभी सेमी-हाई स्पीड कॉरिडोर के लिए नोडल अधिकारी थे।
आरडीएसओ में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 6 वर्षों से अधिक समय तक पूरे उत्तर भारत के लिए जिम्मेदार निदेशक आइ एण्ड ल (निरीक्षण एवं संपर्क) की जिम्मेदारी को कार्यकुशलता से निभाया।
उन्होंने नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) में कार्यकारी निदेशक/रोलिंग स्टॉक और निदेशक रोलिंग स्टॉक के रूप में भी 5 वर्षों के कार्यकाल के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

विजय कुमार ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक किया है। उन्होंने सिंगापुर और मलेशिया से उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम; क्रिस, नई दिल्ली से सूचना प्रौद्योगिकी और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद से रणनीतिक प्रबंधन मुद्दों पर कार्यशाला का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।
उन्होंने कार्य के सिलसिले में 20 से अधिक देशों का दौरा भी किया है और भारतीय रेल की तकनीकी उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
विजय कुमार को माननीय रेल मंत्री पुरस्कार से तीन बार सम्मानित किया गया है - 1995 में आलमबाग डीजल शेड में लोको विफलताओं को 35इ तक कम करने और लोको उपलब्धता बढ़ाने के उनके प्रयासों के लिए।
1999 में लुधियाना डीज़ल शेड में इंजनों की विश्वसनीयता में 150इ तक उल्लेखनीय सुधार लाने के उनके समर्पित प्रयासों के लिए।
और फिर 2011 में राजभाषा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
उन्हें 1992 में रेलवे बोर्ड के सदस्य मैकेनिकल से नवीन विचारों और आंतरिक प्रतिभा के साथ 2 टन बॅश पावर हैमर की कमीशनिंग और पहली पोस्टिंग के पहले 6 महीनों की अवधि में फाउंड्री शॉप के उत्पादन को 6000 से बढ़ाकर 15000 प्रति माह करने के लिए पुरस्कृत किया गया ।
उन्हें 2006 में आरडीएसओ के महानिदेशक द्वारा आरडीएसओ में परेषिती (ण्दहेग्रुहा) शिकायतों को 150इ तक कम करने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
अपने परिणाम-उन्मुख नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, विजय कुमार नवाचार, गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ावा देने के एक समृद्ध अनुभव के धनी हैं। वह मध्य रेल को सुरक्षा, यात्री सुविधा, स्थिरता और क्षमता वृद्धि में अग्रणी के रूप में देखते हैं, जो भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और 2047 तक 'विकसित भारत' की प्राप्ति हेतु 'मेक इन इंडिया' लक्ष्यों के अनुरूप है।

सुमित अंतिल ने रचा इतिहास, भाला फेंक इवेंट में जीता तीसरा गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। सुमित अंतिल विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल भारतीय बन गए। सुमित ने भाला फेंक में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा कि वह 80 मीटर के आंकड़े को हासिल करने के लिए प्रयास करेंगे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा की स्टैंड में मौजूदगी से उत्साहित 27 वर्षीय सुमित ने पुरुषों के भाला फेंक एफ64 वर्ग का खिताब 71.37 मीटर के चैंपियनशिप रिकॉर्ड थ्रो के साथ जीता।

सुमित ने गोल्ड मेडल जीतने के बाद कहा कि, देखिए हम यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि एक पैरा एथलीट के तौर पर हम कितनी दूरी तक जा सकते हैं क्योंकि मैंने अक्सर सुना है कि एक पैरा एथलीट इतना अच्छा नहीं फेंक सकता। इसलिए हम इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि, जब मैंने खेलना शुरू किया था तब किसी ने नहीं सोचा था कि एक पैरा एथलीट 70 मीटर फेंक सकता है। अब मैं ऐसा करने में सक्षम हूं इसलिए हम 75 मीटर या 80 मीटर फेंकने की कोशिश करेंगे। भविष्य में जब तक खेलना जारी रहेगा, हम 80 मीटर फेंकने की कोशिश करेंगे।

सुमित ने कहा कि वह अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ना चाहते थे लेकिन उन्हें अपने कंधे में सूजन महसूस हुई। भारत ने पुरुषों की भाला फेंक एफ44 इवेंट में संदीप सरगर के 62.82 मीटर के थ्रो के साथ एक आश्चर्यजनक गोल्ड मेडल भी जीता। इस स्पर्धा में मेजबान देश पहले दो स्थान पर रहा क्योंकि संदीप ने भी 62.67 मीटर के प्रयास के साथ सिल्वर मेडल जीता। ब्राजील के एडेनिलसन रॉबर्टो 52.36 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एशियाई चैंपियन टीम इंडिया ने जमकर किया अभ्यास, गुरुवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुरुवार, 2 अक्तूबर से पहला टेस्ट खेला जाएगा। ये टेस्ट मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। जिसके लिए टीम इंडिया ने जमकर नेट प्रैक्टिस की और पसीना बहाया। कप्तान शुभमन गिल ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की जबकि जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की तिकड़ी ने भी गेंदबाजी अभ्यास किया। सिराज ने जमकर पसीना बहाया।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अंतिम टेस्ट सीरीज में 754 रन बनाने वाले शुभमन गिल कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज में सबसे सफल बल्लेबाज रहे थे लेकिन अब उनके लिए सफेद गेंद के टी20 क्रिकेट से निकलकर जल्दी ही टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करने की चुनौती होगी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआत हो रहे टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए बल्लेबाजों में शुभमन गिल एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें हाल में लाल गेंद से खेलने का कोई अनुभव नहीं है जबकि बाकी सभी को मौके मिल चुके हैं। इसमें केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और एन जगदीशन ने हाल में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में हिस्सा लिया था। इसके अलावा मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मंगलवार को देर तक गेंदबाजी अभ्यास किया था। उन्होंने बुधवार को बल्लेबाजी की और बाद में कुलदीप भी उनके साथ शामिल हो गए।

मोहसिन नकवी ने एसीसी ऑफिस भेजी ट्रॉफी, बीसीसीआई ने कर ली थी पुलिस में जाने की तैयारी

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही तनातनी के बीच आखिरकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी की अक्ल ठिकाने आ गई है। नकवी पीसीबी चीफ होने के साथ एसीसी के भी चेयरमैन हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप की ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफी ही अपने साथ लेकर चले गए थे। बीसीसीआई ने इस लेकर दुबई पुलिस को ट्रॉफी चोरी करने की शिकायत करने का मन बना लिया था। भारत की सख्ती के बाद मोहसिन नकवी को झुकना पड़ा। अब वो ट्रॉफी भारत को लौटाने को तैयार हो गए हैं। एशिया कप फाइनल के 72 घंटे बाद भी मोहसिन नकवी ने ना तो ट्रॉफी भारत को सौंपी और ना ही उसको एशियन क्रिकेट काउंसिल के दफ्तर भेजा।

पीयूष चावला की केकेआर में हुई एंट्री, 2014 में खेकें के साथ जीता खिताब

भारत के दिग्गज खिलाड़ी पीयूष चावला यूएई की टी20 इंटरनेशनल लीग आईएलटी20 के चौथे सीजन के लिए केकेआर से जुड़ गए हैं। मंगलवार को पीयूष के इस लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स फ्रेंजाइजी अबु धाबी नाइट राइडर्स ने अपने साथ जोड़ा है। जिसकी जानकारी टीम ने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए दी थी। आईपीएल में भी लंबे समय तक पीयूष चावला केकेआर का हिस्सा रहे हैं। साल 2014 में उन्होंने केकेआर के साथ आईपीएल का खिताब भी जीता था। इसके अलावा 2018 और 2019 के ऑक्शन में केकेआर ने भारतीय लेग स्पिनर को अपने साथ जोड़ा था। आईपीएल में आखिरी बार साल 2024 में वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। पांच बार की चैंपियन टीम ने 2021, 2023 और 2024 के ऑक्शन में अपने साथ जोड़ा था। वह जबसे आईपीएल की शुरुआत हुई थी तब से इस लीग का हिस्सा थे। अब पहली बार वह विदेशी लीग में जलवा बिखरेंगे। इसी साल 6 जून को पीयूष ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने भारत के लिए 2006 में टेस्ट फॉर्मेट से डेब्यू किया था। इसके बाद वह कुछ ही समय में तीनों फॉर्मेट में खेलने लगे थे। साल 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप की विश्व विजेता टीम में भी पीयूष शामिल थे।

एशिया कप के नायक तिलक वर्मा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी से मुलाकात की

भारत के एशिया कप 2025 फाइनल के नायक तिलक वर्मा ने मंगलवार को यहां तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक रेड्डी ने वर्मा को सम्मानित किया और फाइनल में उनके प्रदर्शन की सराहना की। वर्मा ने इस मौके पर मुख्यमंत्री को एक क्रिकेट बैट भी भेंट किया।

रेड्डी ने क्रिकेटर द्वारा भेंट किए गए बैट को पकड़कर क्रिकेट पिच पर गेंद का सामना करने की मुद्रा बनाई। इस अवसर पर राज्य के खेल मंत्री वकाती श्रीहरि और खेल विभाग के कई अधिकारी उपस्थित थे।

वर्मा ने फाइनल में जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय 69 रन की नाबाद पारी खेल कर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में छाए अभिषेक शर्मा, एक झटके में मलान और विराट को पछाड़ा

नई दिल्ली। अभिषेक शर्मा ने अब आईसीसी टी20 रैंकिंग में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर दिया है। एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे अभिषेक शर्मा काफी समय से टी20 क्रिकेट में नंबर वन बल्लेबाज बने हुए थे और अब एक नया कीर्तिमान उन्होंने स्थापित किया है। अभिषेक शर्मा सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक शर्मा सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक झटके में विराट कोहली जैसे दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अब सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 912 पॉइंट्स शीर्ष पर रहते हुए हासिल किए थे। विराट कोहली को चौथे नंबर पर खिसकना पड़ा है, जिन्होंने 909 पॉइंट्स आईसीसी टी20 रैंकिंग में हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच 904 पॉइंट्स के साथ पांचवें पायदान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का नाम लिस्ट में छठे नंबर पर है, जो 900 पॉइंट्स तक पहुंच पाए थे। टी20 एशिया कप के अब तक तीन सीजन खेले जा चुके हैं, लेकिन कोई भी बल्लेबाज 300 रन नहीं बना सका था। हालांकि, 2025 के सीजन में अभिषेक शर्मा ने इस रिकॉर्ड को भी अपने नाम कर लिया। 7 मैचों में अभिषेक शर्मा ने 314 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 200 का था। एक दो मैच में तो इतना ज्यादा स्ट्राइक रेट देखने को मिल जाता है। लेकिन किसी टूर्नामेंट में ये पहली बार था जब किसी ने इतनी तेज गति से टीमके लिए रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी ने शतक लगाकर रचा इतिहास, ब्रेंडन मैकुल्लम की बराबरी समेत 3 रिकॉर्ड अपने नाम किए

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी का बल्ला अब रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आईपीएल के बाद वह लगातार बेहतरीन फॉर्म में दिख रहे हैं। आईपीएल में 35 गेंदों पर शतक ठोकने के बाद से उनका लगातार अच्छा फॉर्म अंडर 19 क्रिकेट में भी जारी है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछली यूथ वनडे सीरीज में शतक के साथ जलवा बिखेरने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में कंगारू गेंदबाजों की दम निकालने में वह कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

14 वर्षीय इस भारतीय बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी मौजूदा यूथ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में कमाल कर दिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ब्रिसबेन के इयान हेली ओवल में खेले जा रहे इस मुकाबले में 78 गेंदों में ताबड़तोड़ शतक जड़ दिया। इस शतकीय पारी के बाद वैभव ने अपने नाम एक नहीं कई रिकॉर्ड दर्ज कर लिए हैं।

सबसे खास बात ये है कि वैभव ने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज ब्रेंडन मैकुल्लम के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इतना ही नहीं इस शतक के साथ उन्होंने अपना नाम इतिहास के पन्नों पर भी दर्ज करवा दिया है। वहीं छक्कों का भी एक खास रिकॉर्ड वैभव अपने नाम कर चुके हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी इस पारी में 86 गेंद खेलते हुए 113 रन ठोक दिए। इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 8 छक्के लगाए। इस पारी के बाद एक बार फिर इस खिलाड़ी ने बता दिया है कि वह किसी छोटा पैकेट बड़े धमाके से कम नहीं हैं।

वहीं वैभव ने यूथ टेस्ट में दो शतक 100 गेंदों के अंदर पूरा करा करने का रिकॉर्ड बना लिया है। ये रिकॉर्ड इससे पहले ब्रेंडन मैकुल्लम के नाम दर्ज था।

वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के लियाम ब्लैकफोर्ड के नाम दर्ज था जिन्होंने इंग्लैंड अंडर 19 के खिलाफ 2023 में 124 गेंदों पर शतक ठोका था। जबकि वैभव ने उनसे 46 गेंद कम रहते ही ये कीर्तिमान अपने नाम किया है।

वैभव ने अपनी इस पारी में कुल 8 छक्के लगाए हैं, जो कि भारत के लिए यूथ टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी है। उनके नाम अब कुल 15 छक्के यूथ टेस्ट में दर्ज हो गए हैं। उन्होंने अपने ही साथी खिलाड़ी आयुष म्हात्रे को पछाड़ दिया है।

काजोल जितनी लंबी दिखने के लिए रानी ने तस्वीरें खिंचवाते हुए कुछ ऐसा किया, काजोल देखती रह गईं!

दुर्गा पूजा की शुरुआत से ही रानी मुखर्जी और काजोल का परिवार सोशल मीडिया पर चर्चा में बना हुआ है। काजोल और रानी मुखर्जी के साथ-साथ तनीषा मुखर्जी और इस पूजा में आने वाली हस्तियां भी सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। खास बात यह है कि मुखर्जी परिवार की बहनों का लुक और उनकी साड़ियां खूब चर्चा में हैं। रानी और काजोल पूजा के दौरान तरह-तरह की साड़ियां पहनकर सभी को अपनी तारीफ करने पर मजबूर कर रही हैं।

काजोल के साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए रानी ने कुछ ऐसा किया...

आज भी दोनों अपनी खूबसूरती से सबका दिल जीत लेती हैं। रानी और काजोल ने सबके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। सबसे पहले उन्होंने तनीषा मुखर्जी और अयान मुखर्जी के साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

महाराष्ट्र शासन

कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा. बां.) विभाग,

प्रशासकीय इमारत, १ ला मजला, भवन्स कॉलेज जवळ, दादाभाई रोड, अंधेरी (प.), मुंबई- ४०००५८.

E-mail-northmumbai.ee@mahapwd.com दुरध्वनी क्रमांक ०२२-२६२३१९६४ फॅक्स - २६२०५७८८

निविदा सुचना क्र. ३६ सन २०२५-२०२६

महाराष्ट्र राज्यपालांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां.) विभाग, दादाभाई मार्ग, भवन्स कॉलेज जवळ अंधेरी (प) मुंबई-४०००५८ (दुरध्वनी/फॅक्स क्रमांक- २६२३१९६४/२६२०५७८८) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिका बांधकाम खात्याकडुन योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडुन खालील कामाकरीता ब-१ नमुन्यातील निविदा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्र दिनांक- ०३/१०/२०२५ ते दिनांक- १०/१०/२०२५ कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां.) विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयात उपलब्ध असतील. तसेच दिनांक- १३/१०/२०२५ दुपारी १७.०० वाजेपर्यत निविदा स्विकारण्यात येतील व शक्य झाल्यास त्याच दीवशी निविदा उघडण्यात येतील निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां.) विभाग, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित रक्कम
१.	शासकिय वसाहत वांद्रे पूर्व येथील इमारत क्र य-९ ते य-१० येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
२.	शासकिय वसाहत वांद्रे पूर्व येथील इमारत क्र य-११ ते य-१२ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
३.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-१ ते ब-१० येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
४.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-११ ते ब-१३ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
५.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-१४ ते ब-२३ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
६.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-२०२ ते ब-२११ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
७.	शासकिय वसाहत वांद्रे पूर्व येथील इमारत क्र ब-२१२ ते ब-२२१ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे,	रु. ७५३०७१/-
८.	शासकिय वसाहत वांद्रे पूर्व येथील इमारत क्र ब-१८० ते ब-१९१ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
९.	शासकिय वसाहत वांद्रे पूर्व येथील इमारत क्र अं १ ते अं-११ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
१०.	शासकिय वसाहत वांद्रे पूर्व येथील इमारत क्र अं १२ ते अं-२१ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ७५३०७१/-
११.	नवीन शासकीय वसाहत, इमारत क्र. ओ-१ येथील देखभाल व दुरुस्तीची कामे करणे.	रु. ७४५९३२/-
१२.	नवीन शासकीय वसाहत, इमारत क्र. बी-२ येथील देखभाल व दुरुस्तीची कामे करणे.	रु. ४३१९८४/-
१३.	नवीन शासकीय वसाहत, इमारत क्र. सी-१ येथील देखभाल व दुरुस्तीची कामे करणे.	रु. ५०२९३९/-
१४.	नवीन शासकीय वसाहत, इमारत क्र. ओ-२ येथील देखभाल व दुरुस्तीची कामे करणे.	रु.७४५८१८/-
१५.	वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती अंतर्गत ४०० पोलीस निवासस्थान येथील 'ब' प्रकारच्या इमारतीमधील इमारत क्र. ब-४ मरोळ अंधेरी (पुर्व), मुंबई येथे खिडक्या, दरवाजे, पाईपलाईन, रंगकाम, प्लॅस्टर करणे व इतर अनुषागिंक कामे करणे	रु. ५६९५१७/-
१६.	वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती अंतर्गत ४०० पोलीस निवासस्थान येथील 'ब' प्रकारच्या इमारतीमधील इमारत क्र. ब-६ मरोळ अंधेरी (पुर्व), मुंबई येथे खिडक्या, दरवाजे, पाईपलाईन, रंगकाम, प्लॅस्टर करणे व इतर अनुषागिंक कामे करणे	रु.५६९६१६/-
१७.	वार्षिक देखभाल व इतर दुरुस्ती अंतर्गत श्रेणी-३ क्वार्टर्स क्र. ब-३२६ ते ब-३३१ शासकीय वसाहत वांद्रे पूर्व येथे कामे करणे.	रु. २०५८४९/-
१८.	मुळगौण कामांतर्गत गोरेगाव (पश्चिम), मुंबई येथील इमारत 'अ' मधील तीन डोंगरी येथील सांडपाणी वाहिनीची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण आणि बांधकाम कामे.	रु. ७९६४०५/-
१९.	मुळगौण कामांतर्गत तीन डोंगरी गोरेगाव (पश्चिम), मुंबई येथील प्रवेशक्षद्वारापासून इमारत 'अ' पर्यंत डांबरीकरणाने दुरूस्ती करणे.	रु. ८४३२२८/-
२०.	मुळगौण कामांतर्गत कुरार पोलिस स्टेशनच्या अंतर्गत गंगा को. ऑप. हा. सो., त्रिवेणी नगर, मालाड पू., मुंबई येथील इमारतीमधील दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	रु. ८४२७८९/-
२१.	मुळगौण कामांतर्गत तीन डोंगरी गोरेगाव (प.) मुंबई येथील इमारत 'ए' पासून देऊळापर्यंत डांबरीकरणाने दुरुस्ती करणे.	रु. ८४३२६७/-
२२.	मुळगौण कामांतर्गत तीन डॉगरी गोरेगाव (प.) मुंबई येथील इमारत 'बी' पासून इमारत 'जी' पर्यंत डांबरीकरणाने दुरुस्ती करणे.	रु. ८३९९०७/-
२३.	मुळगौण कामांतर्गत वनराई पोलिस वसाहतीतील इमारत क्र. ३ च्या तुटलेल्या सांडपाणी वाहिन्याची दुरुस्ती करणे	रु.८२६२८६/-
२४.	मुंबई उपनगरातील बांद्रा (पूर्व), खेरवाडी येथील लेदर शाळेच्या इमारतीचे पाडकाम करणे.	रु. ८४००००/-
२५.	शासकीय वसाहत, वांद्रे येथील वर्ग-४ इमारत क्र. ५,८,९ व १० तसेच इमारत क्र. ब-२९८ ते ब-३४१, पंप हाऊस येथील उंच जल टाकी, झोन-III येथील भूमिगत जलसाठा आणि सांताक्रूझ (पूर्व) कालिना येथील इमारत क्र. १ ते ४ व ५ ते ९ या इमारतींच्या पाण्याच्या टाक्यांची साफसफाई व धुलाई करणे.	रु.८१२६२०/-
२६.	इमारत क्र. य-१ ते य-२, य-३ तेय-४, य-५ तेय-६, य-७ ते य-८, य-९ तेय-१० वय-११ या इमारतीमध्ये किरकोळ दुरुस्तीची कामे करणे.	रु.७८१२६३/-
२७.	शासकीय सेवक वसाहत, वांद्रे (पूर्व), मुंबई येथील इमारत क्र. ब-१ ते ब-१०, ब-११ ते ब-१३, ब-१४ ते ब-२३, ब-३४ ते ब-४३, अ-१ ते अ-११ व अ-१२ ते अ-२१ या इमारतींमध्ये किरकोळ दुरुस्तीची कामे करणे.	रु.७८१२६३/-
२८.	शासकीय सेवक वसाहत, वांद्रे (पूर्व), मुंबई येथील इमारत क्र. ब-१३४ ते ब-१४५, ब-१५८ ते ब-१६९, ब-१७० ते ब-१७९, ब-१८० ते ब-१९१, ब-२०२ ते ब-२११ व ब-२१२ ते ब-२२१ या इमारतींमध्ये किरकोळ दुरुस्तीची कामे करणे.	रु.७८१२६३/-
२९.	शासकीय सेवक वसाहत, वांद्रे (पूर्व), मुंबई येथील इमारत क्र. ब-८८ ते ब-९७, ब-९८ ते ब-१०९, ब-११० ते ब-१२१, ब-१२२ ते ब-१३३ व ब-४४ ते ब-५५ या इमारतींमध्ये किरकोळ दुरुस्तीची कामे करणे.	रु. ६५१०५३/-
३०.	मुळगाँण कामांतर्गत मुख्य रुग्णालय इमारत, ई.एस.आय.एस. संकुल, मुलुंड (प.), मुंबई येथील टेरेसवरील पॅथॉलॉजी बाजूस असलेली आर.सी.सी. ओव्हरहेड पाण्याची टाकी तोडणे व त्याऐवजी एच.डी.पी.ई. सिंटेक्स टाकी बसवणे व स्थापन करणे	रु. ८३७५३२/-
३१.	मुळगाँण कामांतर्गत मुख्य रुग्णालय इमारत, ई.एस.आय.एस. संकुल, मुलुंड (पश्चिम), मुंबई येथील टेरेसवरील एक्स-रे बाजूस असलेली आर.सी.सी. ओव्हरहेड पाण्याची साठवणूक टाकी तोडणे व त्याऐवजी एच.डी.पी.ई. सिंटेक्स टाकी बसवणे व स्थापन करणे.	रु. ८३५०८६/-
३२.	मुळगाँण कामांतर्गत मुख्य रुग्णालय इमारत, ई. एस. आय.एस. संकुल, मुलुंड (पश्चिम), मुंबई येथील टेरेसवरील कॅज्युअल्टी बाजूस असलेली आर.सी.सी. ओव्हरहेड पाण्याची साठवणूक टाकी तोडणे व त्याऐवजी एच.डी.पी.ई. सिंटेक्स टाकी बसवणे व स्थापन करणे.	रु. ८४३५८९/-
३३.	वार्षिक देखभाल व इतर दुरुस्ती शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील वर्ग ४ इमारत क्र २ येथील किरकोळ दुरूस्ती अंतर्गत कामे करणे.	रु. ८३८५३६/-
३४.	मुळगाँण कामांतर्गत ई.एस.आय.एस रुग्णालय इमारत,. संकुल, मुलुंड (पश्चिम), मुंबई ३ रा मजला ध्ऊ येथील टेरेसवरील बाजूस असलेली आर.सी.सी. ओव्हरहेड पाण्याची साठवणूक टाकी तोडणे व त्याऐवजी एच.डी.पी.ई. सिंटेक्स टाकी बसवणे व स्थापन करणे.	रु. ८४२६८९/-
३५.	चांदिवली येथील म्हाडा इमारत क्रमांक १५ व १७ मध्ये एम.एस. ग्रिल बसविण्याचे व पुरवठा करण्याचे कामे करणे.	रु. ८३९०७८/-

निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां) विभाग, अंधेरी (प.) मुंबई ५८. यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

जा.क्र.काअ/उमुंवि/निविदा/ ६५५५
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय,
उत्तर मुंबई (सा.बां) विभाग,
प्रशासकीय इमारत, १ ला मजला,
भवन्स कॉलेजजवळ, दादाभाई मार्ग,
अंधेरी (प.) मुंबई ५८.
दिनांक :- २९/०९/२५

DGIPR/2025-26/2868

कार्यकारी अभियंता
उत्तर मुंबई (सा.बां) विभाग,
अंधेरी (प.) मुंबई ५८.

राजनाथ सिंह भुज में जवानों संग मनाएंगे दशहरा, करेंगे शस्त्र पूजा, बढ़ेगा मनोबल

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2 अक्टूबर को भुज सैन्य अड्डे पर भारतीय सेना के जवानों के साथ दशहरा उत्सव मनाने से पहले बुधवार को गुजरात के भुज पहुँचे। दशहरा मनाने के साथ ही, राजनाथ सिंह गुरुवार को भुज सैन्य अड्डे पर शस्त्र पूजा भी करेंगे। रक्षा मंत्री का स्वागत भुज वायु सेना स्टेशन पर थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने किया। दशहरा, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, भारत के सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक है और यह इस वर्ष 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और देश भर में विभिन्न तरीकों से मनाया जाता है। यह भगवान राम की राक्षस राजा रावण पर विजय का स्मरण करता है, जो अहंकार और बुराई पर सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार लोगों को क्रोध, लोभ, अभिमान और ईर्ष्या जैसी आंतरिक बुराइयों पर विजय पाने और सत्य, सदाचार और धर्म के मूल्यों को बनाए रखने के लिए भी प्रेरित करता है।

इससे पहले दिन में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करने, संसाधनों का अनुकूलन करने और परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की सराहना की और इसे भारत के सशस्त्र बलों की 'मौन लेकिन महत्वपूर्ण' रीढ़ बताया। सिंह ने नई दिल्ली में विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'जहाँ पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करने में सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को देखा, वहीं डीएडी की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की।'

उन्होंने डीएडी को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेवाओं को संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करके परिचालन तत्परता को भी मजबूत करती है।

41 मौतों के बाद विजय ने 2 हफ्ते के लिए अपनी सभी रैलियां टालीं

चेन्नई।तमिलनाडु के करूर में अपनी रैली के दौरान भगदड़ में 41 लोगों की मौत के बाद, तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय ने अगले 14 दिनों के लिए अपनी सभी रैलियाँ 'स्थगित' कर दी हैं, पार्टी ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घोषणा 27 सितंबर को करूर में एक राजनीतिक रैली में भगदड़ में महिलाओं और बच्चों सहित 41 लोगों की मौत के बाद की गई है। पार्टी ने तमिल में ' पर पोस्ट किया कि ऐसी स्थिति में जहाँ हम अपने प्रियजनों के नुकसान से दुःखी और दुखी हैं, हमारे पार्टी नेता का अगले दो हफ़्तों के लिए जनसभा कार्यक्रम अस्थायी रूप से स्थगित किया जा रहा है। हम आपको अपने पार्टी नेता की स्वीकृति से सूचित करते हैं कि इस जनसभा के बारे में नए विवरण बाद में घोषित किए जाएँगे।

घटना के बाद, पार्टी के दो पदाधिकारियों - पार्टी के करूर पश्चिम ज़िला सचिव मथियाझागन और करूर नगर पदाधिकारी एमसी पौन राज - को गिरफ़्तार कर लिया गया है और 14 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले 30 सितंबर को, इस घटना पर अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में, अभिनेता विजय ने एक भावुक बयान जारी किया और कहा कि 'मैंने अपने जीवन में कभी इतनी दर्दनाक स्थिति का सामना नहीं किया। मेरा दिल दुख रहा है, मैं बहुत पीड़ा में हूँ।' उन्होंने कहा, 'लोग इस अभियान में मुझसे मिलने आते हैं, इसके पीछे सिर्फ़ प्यार और स्नेह है। मैंने अपने जीवन में कभी ऐसा दर्द नहीं झेला। मैं जल्द ही पीड़ितों से मिलूँगा।'पार्टी पदाधिकारियों की गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री महोदय, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को कोई नुकसान न पहुँचाएँ। मैं अपने घर या कार्यालय में उपलब्ध रहूँगा और आप मेरे खिलाफ कोई भी कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन उनके खिलाफ नहीं।'

टीवीके प्रमुख ने कहा कि भगदड़ के तुरंत बाद वह करूर से चले गए क्योंकि उन्हें डर था कि उनकी उपस्थिति से स्थिति बेकाबू हो सकती है और लोगों की सुरक्षा में बाधा आ सकती है। उन्होंने उन सभी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।

वायनाड में मानव-वन्यजीव संघर्ष के लिए सहयोगात्मक समाधान की आवश्यकताः प्रियंका गांधी वाद्रा

वायनाड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड में मानव-वन्यजीव संघर्ष को मंगलवार को एक ''जटिल समस्या'' बताया, जिसके समाधान के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड स्थित मुथांगा वन्यजीव अभयारण्य का इस महीने की शुरुआत में किये गए अपने दौरे का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात पशु चिकित्सक डॉ. अरुण जकारिया से हुई, जिनका वन्यजीवन, वन और संबंधित मुद्दों पर ज्ञान अमूल्य है। प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, उनका और वन अधिकारियों का अनुभव इस क्षेत्र में पशु-मानव संघर्ष को समझने और प्रबंधित करने में महत्वपूर्ण है। इस प्रयास का एक हिस्सा कुमकी हाथियों को प्रशिक्षित करना और उनका उपयोग करना है जो मानव बस्तियों में घुसने पर जंगली हाथियों को भगा देते हैं।''

उन्होंने वन अधिकारियों के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, वायनाड में मानव-पशु संघर्ष एक जटिल समस्या है जिसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा और व्यावहारिक समाधान ढूंढ़ने होंगे।''

प्रियंका 11 सितंबर से 22 सितंबर तक अपने निर्वाचन क्षेत्र में रहीं।

हिमाचल में सीमेंट महंगा, पड़ोसी राज्यों में सस्ताः नड्डा बोले- जनता की जेब काट रही कांग्रेस

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि जीएसटी बचत उत्सव से राहत मिली है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा रही है, जिससे लोगों पर बोझ बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के बीच अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है। एक वीडियो संदेश में, जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफ जीएसटी बचत उत्सव को लेकर खुशी है, लेकिन दूसरी तरफ, हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार जनता पर कर का बोझ बढ़ा रही है। हम जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदा से उबरने की कोशिश कर रहा है।

नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से, हिमाचल प्रदेश में पुनर्निर्माण को ध्यान में रखते हुए, सीमेंट पर राहत प्रदान की गई जिससे सीमेंट की कीमतें 30 रुपये तक कम हो गईं... फिर भी, हिमाचल प्रदेश के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल सका क्योंकि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा दिए... जब हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदा और वित्तीय समस्याओं से जूझ रहा है, तो आम लोगों को राहत देने के बजाय, कांग्रेस सरकार अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इसे अनैतिक और असंवेदनशील बताया कि हिमाचल प्रदेश में निर्मित सीमेंट पड़ोसी राज्यों में कम कीमत पर बेचा जा रहा है, जबकि राज्य के लोगों को अधिक लागत का सामना करना पड़ रहा है।

नड्डा ने कहा, 'यह अनैतिक और असंवेदनशील है। दुर्भाग्य से, जब हिमाचल प्रदेश में निर्मित सीमेंट पड़ोसी राज्यों में बेचा जाता है, तो यह कम कीमत पर उपलब्ध होता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में इसे अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। कांग्रेस सरकार इतनी असंवेदनशील है कि उसने सीमेंट और पानी के बिल पर कर बढ़ा दिया है... बिजली का बिल भी बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी हिमाचल प्रदेश के लोगों को राहत पहुँचाना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार उन्हें परेशान करने का काम कर रही है। यह कांग्रेस सरकार का अमानवीय चेहरा उजागर करता है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है... समय आने पर लोग इस जनविरोधी सरकार को सबक सिखाएँगे।'

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार, जिसे जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मंज़ूरी दी गई थी, 22 सितंबर से लागू हो गया है। पहले की चार-दर प्रणाली को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की सुव्यवस्थित दो-स्लैब व्यवस्था से बदल दिया गया है। विलासिता और अहितकर वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत का एक अलग स्लैब रखा गया है।

ट्रंप को पसंद आया 'गाजा शांति प्लान' पर पीएम मोदी का रिएक्शन, शेयर किया सोशल मीडिया पोस्ट, लेकिन...

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए गाजा शांति प्रस्ताव के समर्थन को और मज़बूत करते हुए ट्रुथ सोशल पर मोदी के बयान को बिना अपनी बात जोड़े, दोबारा शेयर किया है। यह कदम गाजा में लंबे समय से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से की गई इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए अंतरराष्ट्रीय गति प्राप्त करने के वाशिंगटन के प्रयास को रेखांकित करता है।

पीएम मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान व्हाइट हाउस द्वारा इज़राइल-हमास युद्ध और गाजा शासन को समाप्त करने के लिए ट्रंप की योजना जारी करने के कुछ ही घंटों बाद आया है। हालाँकि, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है कि इज़राइल या हमास ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा प्रस्तुत समझौते को स्वीकार किया है या नहीं।

इज़राइल और हमास का रिएक्शन

घोषणा के समय ट्रम्प के साथ खड़े नेतन्याहू ने उन्हें 'इज़राइल का मित्र' बताया और अमेरिकी प्रयासों की सराहना की। हालाँकि, उन्होंने प्रस्ताव के कुछ पहलुओं, जैसे फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण में सुधार और फ़िलिस्तीनी राज्य के विवादास्पद मुद्दे, पर सावधानी बरती। हमास ने कहा कि वह कोई प्रतिक्रिया देने से पहले आंतरिक रूप से विचार-विमर्श करेगा और अन्य फ़िलिस्तीनी समूहों से परामर्श करेगा। प्रस्ताव में मांग की गई है कि हमास युद्ध विराम, मानवीय सहायता और गाजा में बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण के वादों के बदले में अपने हथियार और शासन शक्ति का समर्पण करे।

पीओके से आ गई वो खबर! जिसके इंतजार में 78 सालों से था भारत

पीओके। पाकिस्तान द्वारा जबरन कब्जाए गए पीओके से ऐसी तस्वीरें आई हैं, जिसका इंतजार भारत को 78 सालों से था। 78 साल पहले पाकिस्तान ने भारत के इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। लेकिन इस इलाके को पाकिस्तान के कब्जे से छुड़वाने के लिए पीओके की जनता ने ही सबसे बड़ी जंग छेड़ दी है। मजे की बात ये है कि कुछ दिन पहले भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बस इतना कहा था कि पीओके खुद पर खुद भारत में आकर मिलेगा। इस बात को पीओके की जनता ने दिल से लगा लिया है। पीओके की जनता ने इस इलाके को भारत का बताते हुए पाकिस्तानी सेनी की गाड़ियों और कंटेनरों को नदी में फेंक दिया। पीओके की जनता इसी तरह से लड़ती रही तो दस दिनों में आजादी हासिल कर लेगी।

भारत, इजरायल, बलूचिस्तान, अफगानिस्तान से लगातार पिटने वाली पाकिस्तानी सेना और पुलिस जब पीओके की जनता को मारने पहुंची तो अचानक कुछ ऐसा हुआ जिसका अंदाजा किसी को भी नहीं था। 250 से ज्यादा सेना और पाकिस्तानी पुलिसवालों को पीओके की जनता ने बंधक बना लिया। पाकिस्तानी पुलिसवालों ने पीओके में सरेंडर कर दिया। सज धज कर पाकिस्तान की पुलिस पीओके के लोगों को लाठी डंडे से मारने पहुंची थी। लेकिन दस मिनट में सभी पुलिसवालों को घसीट घसीट कर सड़कों पर लिटा दिया गया। पीओके की जनता ने पाकिस्तान की सेना और पुलिस को ही नजरबंद कर लिया।

ताज़ा रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पीओके के रावलकोट, हजीरा, अब्बासपुर, खाई गाला, पनिओला और त्राखेल में हज़ारों लोग धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने कल सड़कों पर पूरी तरह से अराजकता के वीडियो प्रसारित किए, जिनमें से एक में कुछ लोग हवा में गोलियाँ चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एसीसी ने आरोप लगाया है कि मुस्लिम कॉन्फ्रेंस समूह ने पाकिस्तानी सेना और डीप स्टेट के इशारे पर प्रदर्शनकारियों पर गोलियाँ चलाईं। पीओके के नागरिक भी पाकिस्तानी राजनेताओं के अभिजात्य रवैये का विरोध कर रहे हैं। कुछ पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं।

जम्मू-कश्मीर संयुक्त जन कार्रवाई समिति के नेता शौकत नवाज मीर ने 1 अक्टूबर को पीओके के कई प्रमुख कस्बों और जिलों से मुजफ्फराबाद की ओर एक लंबा मार्च निकालने की घोषणा की है। ये विरोध प्रदर्शन सिर्फ़ मुज़फ़्फ़राबाद या पीओके तक ही सीमित नहीं हैं। इसकी झलक विदेशों में भी दिखाई दे रही है। ब्रिटिश कश्मीरी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं।

ट्रंप को लगेगी मिर्ची! पुतिन के भारत दौरे की आ गई तारीख, पीएम मोदी से होगी बड़ी बातचीत

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए 5-6 दिसंबर को भारत आ सकते हैं। यह फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से उनकी पहली नई दिल्ली यात्रा होगी। क्रेमलिन ने पहले पुष्टि की थी कि पुतिन ने मई में भारत आने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है, हालाँकि दोनों पक्षों ने अभी तारीख तय नहीं की है। दिसंबर में पुतिन की यात्रा की खबर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 1 सितंबर को चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद आई है। बदलती वैश्विक गतिशीलता के बीच पुतिन की यात्रा काफ़ी महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में तनाव आया है, जबकि रूस और चीन के साथ उसके संबंध और गहरे हुए हैं।

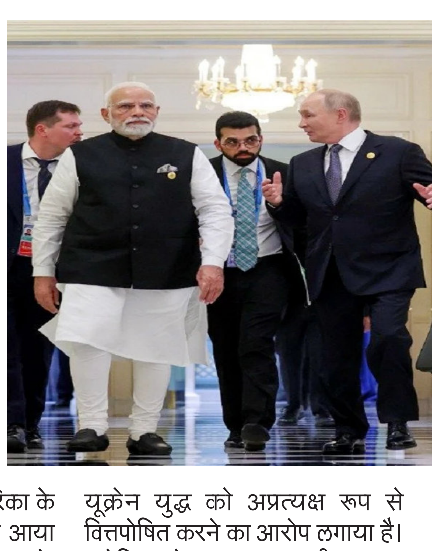

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के साथ व्यापार को लेकर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने नई दिल्ली पर मास्को से कच्चे तेल की खरीद के ज़रिए यूक्रेन युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषित करने का आरोप लगाया है। अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं के बीच भारत को एक नई धमकी देते हुए, ट्रंप प्रशासन के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि नई दिल्ली को सुधार की ज़रूरत है और चेतावनी दी कि अगर वह अमेरिकी उपभोक्ताओं को सामान बेचना चाहता है, तो उसे राष्ट्रपति के साथ तालमेल बिठाना होगा।

भारत सरकार ने वाशिंगटन के रुख को पाखंडी और अनुचित बताते हुए कड़ी निंदा की है। अधिकारियों ने ज़ोर देकर कहा कि कच्चे तेल का आयात बाज़ार की चिंताओं से प्रेरित है और देश के हितों को प्राथमिकता दी जाती है। भारत ने पश्चिमी देशों पर दोहरे मापदंड अपनाने का भी आरोप लगाया है और बताया है कि यूरोप की कुछ अर्थव्यवस्थाओं सहित अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ रूस के साथ व्यापार जारी रखे हुए हैं। अमेरिकी दबाव के बावजूद, भारत ने मास्को के साथ अपने तेल व्यापार को रोकने के कोई संकेत नहीं दिए हैं, जो रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद से एक प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है।

ट्रंप की सनक कैसे अमेरिका को ले डूबी, क्या शटडाउन के बाद गिरेगी सरकार?

वांशिगटन। अमेरिका में सरकारी कामों को रोक दिया जाएगा। कर्मचारी छुट्टी पर भेज दिए जाएंगे। कुछ दिनों के लिए सैलरी भी काटी जाएगी और नौकरी भी जाने का खतरा है। कुल मिलाकर आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है और अमेरिका में शटडॉउन लागू हो चुका है। अमेरिका की संसद में अस्थाई फंडिंग बिल पास नहीं हो पाया। ऐसे में अब अमेरिकी सरकार के पास आगे के कामकाज को जारी रखने के लिए फंडिंग नहीं होगी। इसे अमेरिका में शटडाउन की स्थिति कहते हैं। फंडिग पास न होने पर अमेरिकी सरकार को भी गैर जरूरी विभागों के कामों को रोकना होता है। इससे पहले फंडिंग को 21 नवंबर तक जारी रखने के लिए डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन की ओर से स्टॉप गैप फंडिंग बिल लाया गया था, लेकिन ये बिल सदन में 55 और 45 के वोट से पास नहीं हो पाया। इसके बाद व्हाइट हाउस के बजट कार्यालय ने एजेंसियों को निर्देष दिया कि शटडाउन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिपबल्किन और डेमोक्रेट्स के बीच हेल्थ केयर के खर्चे को लेकर मतभेद है। डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि हेल्थ केयर से जुड़ी सब्सिडी बढ़ा दी जाए। लेकिन रिपब्लिकन इसका विरोध कर रहे हैं। इसी बात पर डेमोक्रेट्स ने फंडिंग बिल का विरोध किया है। बिल को पास होने के लिए सदन में 60 वोट चाहिए होते हैं। लेकिन रिपबल्किन केवल 55 वोट ही जुटा पाई। अब डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन एक दूसरे पर शटडाउन का आरोप लगा रहे हैं। रिपबल्किन का कहना है कि डेमोक्रेट्स की मांगे गलत है। डेमोक्रेट्स का कहना है कि अगर हेल्थ केयर के मुद्दे पर समझौता कर लेते तो ये शटडाउन नहीं होता।

क्या गिरने वाली ट्रंप सरकार

अमेरिकी राजनीति फिलहाल गतिरोध में है। व्हाइट हाउस बजट अधिकारी मेमो जारी करेगा और मेमो लागू हो जाएगा। इसका असर सबसे पहले संघीय कर्मचारियों पर पड़ेगा। करीब 7.5 लाख कर्मचारियों को अस्थायी रूप से बिना वेतन काम करना पड़ेगा या घर बैठना पड़ेगा। राजनीतिक दबाव और नुकसान को देखते हुए अब ट्रंप पर बैकफुट पर आने का दबाव बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप अगर सख्त रूख पर अड़े रहे तो जनका का गुस्सा उनपर फूट सकता है।

ट्रंप ने विपक्ष का मजाक बनाया

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर विपक्ष का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वो चुनाव भारी अंतर से हार गए और अब भी नहीं बदले। ट्रंप और डेमोक्रेट नेताओं के बीच कई दौर की बैठक भी हो चुकी हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े नजर आए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)